डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 68 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 15 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

35 हजार वॉट्सएप नंबर, 70 हजार से ज्यादा वॉट्सएप ग्रुप्स व कम्युनिटी बैन

सरकारी पोर्टल 'चक्षु' ने खोले नागरिकों के चक्षु

दूरसंचार विभाग का साइबर क्राइम पर 'बड़ा प्रहार'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दूरसंचार विभाग ने साइबर क्राइम पर बड़ा प्रहार करते हुए करीब 35 हजार वॉट्सएप अकाउंट्स को बैन कर दिया है। साथ ही, 70 हजार से ज्यादा वॉट्सएप ग्रुप्स और कम्युनिटी पर भी एक्शन लिया गया है। पिछले महीने भी दूर संचार विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों फर्जी एसएमएस टेंपलेट्स को ब्लॉक कर दिया था।

दूरसंचार विभाग पिछले कुछ महीनों से बढ़ते साइबर क्राइम पर कार्रवाई कर रहा है। इस दौरान लाखों वॉट्सएप अकाउंट्स को बैन करने का काम किया गया है। यही नहीं, दूर संचार विभाग और ट्राई ने अपनी कई पॉलिसी को भी रिवाइज किया है, ताकि साइबर अपराध पर लगाम लगाया जा सके। दूर संचार ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से जानकारी शेयर करते हुए कहा है कि दूरसंचार विभाग और जागरुक नागरिकों की वजह से 34,951 वॉट्सएप अकाउंट को ब्लॉक किया गया है। इसके अलावा 73,789 वॉट्सएप ग्रुप और कम्यपुनिटी को भी बैन किया गया है। दूरसंचार विभाग ने जागरुक नागरिकों की सराहना करते हुए कहा है कि आपके द्वारा रिपोर्ट करना एक बड़ा अंतर पैदा कर सकता है। अगर, आपको भी फ्रॉड का शक हो तो उसे फौरन सरकारी पोर्टल चक्षु (संचारसाथी डॉट गॉव डॉट इन) पर रिपोर्ट करें।

अब तक टेलीकॉम कंपनियों पर 142 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा चुका

पिछले महीने भी लाखों फर्जी एसएमएस टेंपलेट्स को ब्लॉक कर दिया था

ट्राई ने अपनी कई पॉलिसी को भी रिवाइज किया है, ताकि साइबर अपराध पर लगाम लगाया जा सके

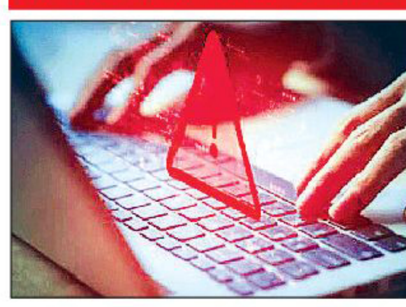

2023 में पोर्टल को लॉन्च किया था

सरकार ने 2023 में इस पोर्टल को लॉन्च किया था। दूरसंचार विभाग के संचार साथी पोर्टल पर ऑनलाइन फ्रॉड की घटनाओं को रिपोर्ट किया जा सकता है। इसके अलावा किसी भी अनजान नंबर से आने वाले कॉल्स या मैसेज को भी रिपोर्ट करने की सुविधा मिलती है। दूरसंचार नियामक ट्राई ने पिछले दिनों सभी टेलीकॉम ऑपरेटर्स पर फर्जी कॉल्स को रोकने में असमर्थ रहने पर करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाया है। दूरसंचार नियामक अब तक टेलीकॉम कंपनियों पर 142 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा चुका है। साथ ही, दूरसंचार विभाग को इन कंपनियों की बैंक गारंटी से इस जुर्माने की राशि को भरने का निर्देश जारी किया है।

लाखों सिम किए जा चुके हैं बंद

पिछले साल सरकार ने साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 78.33 लाख मोबाइल नंबर को बंद करने का आदेश दिया था। ये मोबाइल नंबर फर्जी डॉक्यमेंट्स के आधार पर लोगों को जारी किए गए थे। दूरसंचार विभाग द्वारा इंप्लिमेंट किए गए नए एआई टूल की मदद से इन फर्जी नंबरों की पहचान की गई और उनके खिलाफ एक्शन लिया गया। यही नहीं, सरकार ने साइबर क्राइम में लिप्त 6.78 लाख मोबाइल नंबर को भी बंद करने का आदेश जारी किया था।

दिल्ली बॉर्डर पर किसानों का संघर्ष जारी, हाईवे बंद, जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली | 14 फरवरी 2025 – दिल्ली के चारों ओर किसानों का जमावड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ बॉर्डर पर डटे हुए हैं। इससे दिल्ली-हरियाणा और दिल्ली-पंजाब के बीच हाईवे पूरी तरह से जाम हो गए हैं।

कैसे पड़ा असर?
यातायात प्रभावित – दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद जाने वाले हजारों वाहन जाम में फंसे।
व्यापार पर असर – सप्लाई चेन प्रभावित होने से व्यापारियों को दिक्कत हो रही है।
दैनिक यात्रियों की मुश्किलें – मेट्रो स्टेशनों और बस स्टैंड्स पर भीड़ बढ़ी।

किसानों का क्या कहना है?
भारतीय किसान यूनियन के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा, "हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं, इसलिए हम यहां बैठे हैं। सरकार को किसानों की बात सुननी होगी।"

सरकार का पक्ष
केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहिए। सरकार का कहना है कि MSP को लेकर विशेषज्ञों की राय ली जाएगी और इस पर ठोस फैसला जल्द लिया जाएगा।

आगे क्या?
किसानों की आगे की रणनीति पर आज एक अहम बैठक होगी। किसान संगठनों ने साफ कर दिया है कि अगर सरकार जल्द कोई हल नहीं निकालती है तो आंदोलन और तेज होगा।

मणिपुर में मैतेई राष्ट्रपति शासन के खिलाफ, कुकी का समर्थन

भाजपा अध्यक्ष बोलीं- विधानसभा भंग नहीं सस्पेंड है, हालात देखकर फैसला होगा

21 महीने से जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने के फैसले का मैतेई समुदाय ने विरोध किया है। वहीं कुकी समुदाय के लोग केंद्र सरकार के फैसले से खुश हैं।
मैतेई समुदाय का कहना है कि एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में जल्द किसी सक्षम व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। राष्ट्रपति शासन लागू करने का फैसला ठीक नहीं है।
कुकी समुदाय की संस्था ITLF ने कहा कि राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला सही है। CM बदलने से कुछ नहीं होता। फोरम कुकी समुदाय के लिए अलग प्रशासन की भी मांग कर रहा है।
वहीं, मणिपुर भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी ने कहा कि, 'विधानसभा अभी भी निलंबित अवस्था में है। कुछ समय बाद हालात को देखते हुए सदन चलाने पर विचार हो सकता है।'
केंद्र सरकार ने राज्य में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया था। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया। सिंह ने 9 फरवरी को गवर्नर को इस्तीफा सौंपा था।

पात्रा ने कहा- राज्य में शांति बनी रहेगी
भाजपा सांसद और पार्टी की नॉर्थ-ईस्ट इकाई के प्रभारी संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति रहेगी और इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हो रही अवैध घुसपैठ से सख्ती से निपटा जाएगा।
पात्रा ने कहा कि मणिपुर के राज्यपाल की रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य विधानसभा को सस्पेंड कर दिया है। अब परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्रपति जब चाहें इसे बहाल कर सकती हैं।

खड़गे बोले- अशांति के लिए भाजपा जिम्मेदार
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मणिपुर में अशांति के लिए भाजपा ही जिम्मेदार है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- मणिपुर में पिछले आठ सालों से भाजपा की सरकार थी और केंद्र में भी पिछले 11 सालों से भाजपा शासन कर रही है। ऐसे में राज्य की कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी उन्हीं की थी।

इरोम शर्मिला बोलीं- राष्ट्रपति शासन समाधान नहीं
मानवाधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने शुक्रवार को दावा किया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना कोई समाधान नहीं है, बल्कि राज्य में चल रही जातीय हिंसा से बचने का एक तरीका है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में चुनाव होने से ज्यादा फर्क नहीं आएगा।
उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को राज्य में विस्थापित लोगों की स्थिति सुधारने पर काम करना चाहिए। शर्मिला ने कहा- PM मोदी को अपने उद्योगपति दोस्तों से यहां के विकास के लिए निवेश कराना चाहिए।

राहुल बोले- PM को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए
एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा, जान-माल के नुकसान के बावजूद पीएम मोदी ने एन बीरेन सिंह को पद पर बनाए रखा। लेकिन अब लोगों की तरफ से बढ़ते दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव की वजह से एन बीरेन सिंह इस्तीफा देने को मजबूर हो गए।
X पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस वक्त सबसे जरूरी बात यह है कि राज्य में शांति बहाल की जाए और मणिपुर के लोगों के घावों को भरने का काम किया जाए। पीएम मोदी को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए, वहां के लोगों की बात सुननी चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे हालात सामान्य करने के लिए क्या योजना बना रहे हैं।

लीक ऑडियो क्लिप में CM पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा था
3 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा पर सुनवाई की थी। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्मन राइट्स ट्रस्ट (KOHUR) की तरफ से कोर्ट में याचिका दाखिल करके कुछ ऑडियो क्लिप्स की जांच की मांग की थी। दावा किया गया था कि ऑडियो में CM कथित तौर पर कह रहे हैं कि उन्होंने मैतेईयों को हिंसा भड़काने की अनुमति दी और उन्हें बचाया।
याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने कहा- जो टेप सामने आए हैं, वे बहुत गंभीर हैं। इस पर CJI संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने मणिपुर सरकार से कहा कि सुनिश्चित करिए कि ये एक और मुद्दा न बने। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब (CFSL) से सीलबंद लिफाफे में 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने लगाया राष्ट्रपति शासन

4 दिन पहले ही बीरेन सिंह ने दिया था सीएम पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अब राष्ट्रपति शासन लग गया है। खास बात है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम सामने नहीं आया था। ऐसे में राज्य में राष्ट्रपति शासन की अटकलें लग रही थीं। राज्य में मई 2023 से अब तक दो समुदायों मैतेई और कुकी समुदाय के बीच टकराव के बाद भयंकर हिंसा हुई है। इस हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। माना जा रहा है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद बीजेपी विधायक दल में नए सीएम के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने में 'विफल' रही। बीरेन सिंह ने 4 दिन पहले ही अपने पद से इस्तीफा दिया था। खबर थी कि बीजेपी विधायक कांग्रेस की तरफ से राज्य विधानसभा में लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं। उसी दिन बीजेपी के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा और राज्य पार्टी अध्यक्ष ए शारदा देवी ने मुख्यमंत्री पद से बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद नेतृत्व संकट के बीच इंफाल में राजभवन में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की थी।

वक्फ बिल पर फिर 'संग्राम' संसद में मचा भारी बवाल

● भारी हंगामे के बीच संसद पेश हुई 'जेपीसी' रिपोर्ट ● खड़गे ने कहा-सरकार ने हमारी आपत्तियां डिलीट कीं ● शाह बोले-जो चाहें जोड़ लें, मेरी पार्टी को आपत्ति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन जेपीसी रिपोर्ट पेश की गई। इस दौरान विपक्ष ने असहमतियों को हटाने पर हंगामा किया। फिर सदन से वॉकआउट कर गए। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने तो लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। इसे लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने आपत्ति जताई। इनका आरोप है कि जेपीसी रिपोर्ट में उनकी असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा, जेपीसी की यह रिपोर्ट फर्जी है। इसमें विपक्ष की असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। ये असंवैधानिक है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, हमने अपना पक्ष रखा। इससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई थी कि उनकी राय को इसमें नहीं जोड़ा गया। मैं कहना चाहता हूं कि सदस्य संसदीय कार्य प्रणाली के तहत जो कुछ भी जोड़ना चाहते हैं, वो जोड़ सकते हैं।

लोकसभा में पेश हुआ नया इनकम टैक्स बिल

● इसके पन्ने 823 से घटाकर 622 किए, 1961 को रिप्लेस करेगा

● अनडिस्क्लोज्ड इनकम के तहत आएंगे क्रिप्टो एसेट, होगा पारदर्शी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नया इनकम टैक्स बिल आज यानी गुरुवार, 13 फरवरी को लोकसभा में पेश किया गया है। 622 पन्नों वाला बिल 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को रिप्लेस करेगा। प्रस्तावित कानून को आयकर अधिनियम 2025 कहा जाएगा और अप्रैल 2026 में प्रभावी होने की उम्मीद है। इनकम टैक्स बिल में असेसमेंट ईयर को टैक्स 'ईयर' से रिप्लेस किया गया है। बिल के पन्ने 823 से घटकर 622 रह गए हैं। हालांकि, चैप्टर्स की संख्या 23 ही है। सेक्शन 298 से बढ़ाकर 536 कर दिए गए हैं और शेड्यूल्स भी 14 से बढ़कर 16 हो गए है। क्रिप्टो एसेट्स को किसी भी अनडिस्क्लोज्ड इनकम के तहत गिना जाएगा, जैसे अभी नकदी, बुलियन और ज्वेलरी को शामिल किया जाता है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि डिजिटल ट्रांजेक्शन को भी पारदर्शी और कानूनी तरीके से कंट्रोल किया जा सके। बिल में टैक्सपेयर्स चार्टर को शामिल किया गया है, जो टैक्स पेयर्स के अधिकारों को प्रोटेक्ट करेगा।

निकाय चुनाव के बीच हरियाणा में ईडी की रेड

गाड़ी-गमले तक खंगाले, पूर्व एमपी के रिश्तेदारों के यहां छापे

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत में निकाय चुनाव के बीच इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) की टीम ने एक बड़े नेता नीतिसैन भाटिया और उनके 2 बेटों के ठिकानों पर रेड की है। जम्मू और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में ईडी की टीम अर्धसैनिक बलों की सुरक्षा में गुरुवार सुबह 8 बजे मॉडल टाउन स्थित उनकी कोठी नंबर 48 पर पहुंची। इसके बाद घर के बाहर जवान तैनात कर आने-जाने पर रोक लगा दी गई। घर के अंदर नीतिसैन भाटिया, उनके पूर्व सांसद भतीजे संजय भाटिया और घर की महिलाएं मौजूद हैं। फिलहाल टीम घर में मौजूद सदस्यों से पूछताछ कर रही है। इस दौरान कारीगर को बुलाकर अलमारी का लॉक भी तुड़वाया गया।

डबल से ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की शुरू की तैयारी

दिल्ली में प्रचंड जीत के बाद अगले मिशन पर बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत करने के बाद भारतीय जनता पार्टी का हौसला और भी ज्यादा बुलंद हो गया है। लगभग 27 साल बाद राज्य की सत्ता में बीजेपी की वापसी हुई है। हालांकि बीजेपी अब अपने अगले मिशन के लिए लग गई है। अब बीजेपी दिल्ली एमसीडी में भी अपनी सरकार बनाना चाह रही है, जिसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। हाल में आए विधानसभा चुनाव परिणाम ने दिल्ली के पूरे समीकरण बदल दिए हैं, इसी वजह से केंद्र और राज्य की सत्ता मिलने की बाद अब बीजेपी नगर निगम में भी अपनी सरकार बनाना चाह रही है। दिल्ली नगर निगम में कुल 250 पार्षद की सीटें है, जिसमें से 11 पार्षद सांसद और विधायक बन गए हैं। इस आधार पर नगर निगम में अब निर्वाचित पार्षदों की संख्या 239 बची है। जिसमें से 119 सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के हैं जबकि 113 बीजेपी के हैं। वहीं 7 पार्षद कांग्रेस पार्टी के हैं। ऐसे में आप और बीजेपी के बीच महज 6 पार्षदों का अंतर है। 11 पार्षदों की खाली हुई सीटों पर चुनाव निर्वाचन आयोग कभी भी चुनाव करा सकता है। दिल्ली में 15 साल तक नगर निगम में बीजेपी की सरकार थी लेकिन बीते एमसीडी चुनाव में बीजेपी को आम आदमी पार्टी से हार मिली थी। हालांकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद नगर निगम में सरकार बनाना भी बीजेपी के लिए राह आसान नजर आ रही है। चूंकि दिल्ली विधानसभा में सरकार गठन के बाद विधानसभा अध्यक्ष 14 विधायकों को नगर निगम में सदस्य मनोनीत करेंगे। अभी तक की परंपरा के अनुसार राज्य में सत्तारूढ़ दल के विधायकों की संख्या के विधायकों को अधिकतम मनोनीत किया जाता रहा है। ऐसे में बीजेपी को यहां से फायदा मिलने वाला है। दिल्ली नगर निगम में होने वाले 14 मनोनयन में से 13 बीजेपी विधायकों को अगर मनोनीत किया जाता है। तो ऐसे में बीजेपी की राह आसान होगी। इसके साथ ही सांसद भी सभी बीजेपी के हैं।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

मतभेदों के बीच मैत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा को विशेष माने जाने के एक नहीं, कई कारण रहे। यह दो 'बहुत अच्छे दोस्तों' को 'बेहद टफ नेगोशिएटर' की भूमिका में देखने का एक दिलचस्प मौका तो थी ही, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया।

दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की पर्सनल केमेस्ट्री भी चर्चित रही है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर संदेह की परतें चढ़ा दी थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार टैरिफ का सवाल उठा रहे थे। यात्रा से ठीक पहले जिस तरह से भारत के इलीगल माइग्रेंट्स को सैनिक विमान में स्वदेश भेजा गया, उसने भी माहौल को बिगाड़ने में कम बड़ी भूमिका नहीं निभाई।

जो थोड़ी-बहुत कसर बाकी थी, वह भी आपसी मुलाकात से ठीक पहले राष्ट्रपति ट्रंप के इस ऐलान से पूरी हो गई कि अमेरिका समान टैरिफ की पॉलिसी पर चलेगा। उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम उस पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। यह भारत को परोक्ष लेकिन सीधी चेतावनी थी।

इस माहौल में तनाव को हावी होने दिए बगैर पीएम मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (MAGA) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (MIGA), और यह भी कहा कि जब MAGA और MIGA साथ आते हैं तो बन जाता है MEGA जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि राष्ट्रपति ट्रंप की तरह वह भी अपने राष्ट्रहित का अनुसरण करेंगे।

इस कूटनीतिक कौशल का ही नतीजा था कि जो माहौल टकराव की ओर जाता दिख रहा था, वह सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की ओर केंद्रित हो गया। न केवल टैरिफ जैसे मसलों पर फ्रेमवर्क बनाने की बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी बल्कि अंतरिक्ष यात्रा, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर नजरें जम गईं। मुंबई टेरर अटैक के एक साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का राष्ट्रपति ट्रंप ने वहीं ऐलान भी कर दिया। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे

पति ने जबरन अप्राकृतिक सेक्स किया, पत्नी की मौत; हाईकोर्ट ने क्यों कहा अपराध नहीं, इस फैसले से क्या असर होगा

पत्नी के साथ पति जबरदस्ती अननेचुरल सेक्स करे, इसमें चाहे पत्नी की मौत भी क्यों न हो जाए, पति को कोई सजा नहीं होगी। ऐसा हमारे कानून में दर्ज है और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सोमवार को एक फैसले में इस पर एक बार फिर मुहर लगा दी।

11 दिसंबर 2017 को बिलासपुर के सरकारी महारानी अस्पताल में एक अधेड़ महिला को भर्ती कराया गया। महिला के प्राइवेट पार्ट्स पर गंभीर चोटें थीं। इस वजह से ब्लीडिंग हो रही थी। संदिग्ध मामला देखते हुए बोधघाट थाने की पुलिस बुलाई गई।

महिला ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट को बताया कि उसके 40 वर्षीय पति गोरखनाथ शर्मा ने उसकी मर्जी के बिना जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए, जिससे वे बीमार हो गईं। पहले बच्चे के जन्म के बाद से उसे बवासीर की समस्या थी। इस वजह से उसे प्राइवेट पार्ट से ब्लीडिंग और पेट में दर्द होता था। इसके बावजूद पति अप्राकृतिक संबंध बनाता था।

11 दिसंबर को बयान देने के कुछ समय बाद ही महिला की मौत हो गई। महिला के बयान पर पुलिस ने आरोपी गोरखनाथ के खिलाफ IPC की धारा 304, 376 और 377 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

11 फरवरी 2019 को जगदलपुर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी गोरखनाथ को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद पति ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले को बिलासपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी। पीड़ित महिला की मौत होने पर सरकारी वकील प्रमोद श्रीवास्तव ने उसकी और से केस लड़ा।

10 फरवरी 2025 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने मामले पर फैसला सुनाते हुए पति को रिहा कर दिया।

जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने फैसले में कहा, 'अगर पत्नी की उम्र 15 साल से ज्यादा है और पति उसके साथ संबंध बना रहा है तो इसे रेप नहीं कहा जा सकता। अप्राकृतिक संबंध के लिए पत्नी की स्वीकृति जरूरी नहीं है, इसलिए आरोपी पर अपराध नहीं बनता।'

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने गैर-इरादतन हत्या को लेकर सफाई देते हुए कहा कि आरोपी पति के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला। यह पूरा केस सिर्फ महिला के बयान पर आधारित था। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि बिना किसी सबूत के आधार पर नहीं कहा जा सकता कि महिला को सेक्स के दौरान चोटें लगी थीं, जिस वजह से उसकी मृत्यु हो गई।

जस्टिस व्यास ने धारा 304 (गैर-इरादतन हत्या), धारा 376 (बलात्कार) और धारा 377 (अप्राकृतिक सेक्स) के तहत दोषमुक्त कर दिया। हाईकोर्ट का कहना है कि IPC की धारा 375 के सेक्शन 2 के प्रावधान के मुताबिक, पति का अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध बनाना बलात्कार नहीं है। अगर पति ने अप्राकृतिक सेक्स भी किया है, तो IPC की धारा 377 के तहत इसे अपराध नहीं माना जा सकता।

किसी महिला के साथ रेप करने पर IPC की धारा 375 और 376 के तहत मामला दर्ज किया जाता था। अप्राकृतिक यौन संबंध के लिए धारा 377 थी, लेकिन इन कानूनों में पति-पत्नी के संबंधों को अपवाद माना गया है। यानी अगर पति जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो ये रेप की कैटेगरी में नहीं आएगा।

1 जुलाई 2024 से IPC की जगह लागू हुई भारतीय न्याय संहिता (BNS) में भी वैवाहिक बलात्कार को अपराध नहीं माना गया है। साथ ही BNS में IPC की धारा 377 जैसा कोई प्रावधान नहीं है जो अप्राकृतिक यौन संबंध को अपराध घोषित करता हो।

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट अश्विनी दुबे के मुताबिक भारतीय संस्कृति में शादी के बंधन को पुरुष और महिला की यौन इच्छाओं को पूरा करने का आधार बताया गया है। अगर पति अपनी पत्नी से सेक्स करने या किसी भी तरह शारीरिक संबंध बनाने का आग्रह करता है, तो यह उसके अधिकारों के तहत आता है। इसके लिए पत्नी इनकार नहीं कर सकती। फिर चाहे पति किसी भी तरीके से शारीरिक संबंध बनाए।

अश्विनी दुबे मानते हैं, 'भारतीय कानून में पति-पत्नी के बीच सेक्शुअल एक्टिविटीज को बंद कमरे के अंदर होना परिभाषित किया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट या कानून दखल नहीं दे सकता। आसान भाषा में कहें तो अगर बंद कमरे में पति और पत्नी के बीच किसी भी तरह से शारीरिक संबंध बन रहे हैं, तो यह कानून के दायरे से बाहर है। वैवाहिक जीवन में दोनों लोगों को इसकी आजादी है।'

इस पूरी डिबेड में क्रिटिक्स तर्क देते हैं कि महिला अपने पति की यौन जरूरतों को पूरा करने के लिए बाध्य है। दूसरा पक्ष यह भी है कि लचीले कानून महिलाओं की शारीरिक स्वतंत्रता (बॉडी ऑटोनॉमी) का उल्लंघन करते हैं। साथ में इस धारणा को बढ़ावा देते हैं कि एक पत्नी को अपने पति की इच्छाओं के सामने झुकना चाहिए, चाहे वह सहमति न भी दे रही हो।

अश्विनी दुबे का कहना है कि हाईकोर्ट के फैसले से सोशली इम्पैक्ट पड़ना गलत है, क्योंकि जस्टिस ने कानून के तहत फैसला सुनाया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस कानून को लेकर लड़ाई जारी है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इस कानून में बदलाव के आदेश दे सकता है।

महिला सशक्तीकरण के लिए काम करने वाले एक NGO आरआईटी फाउंडेशन की फाउंडर डॉ. चित्रा अवस्थी मानती हैं, 'महिलाएं शादी में होने वाले यौन उत्पीड़न के मामलों में कई बार आवाजें उठा चुकी हैं, अब जरूरत है कि रेप से जुड़े कानूनों पर दोबारा काम किया जाए। महिला किसी की संपत्ति और खिलौना नहीं है, जिसके साथ कुछ भी किया जा सकता है।'

सुप्रीम कोर्ट की सीनियर एडवोकेट करुणा नंदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा, 'जस्टिस कानून से बंधे थे। नए BNS में मैरिटल रेप अपवाद के तहत, अगर पति अपनी पत्नी की सहमति के बगैर उसके शरीर के किसी भी अंग में कोई वस्तु या अपना अंग डालता है, तो इसे बलात्कार नहीं माना जाएगा। नए कानून में इसे बदला जा सकता था, लेकिन इसे वैसे ही रहने दिया गया। हमने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है ताकि इस मैरिटल रेप अपवाद को हटाया जा सके।'

19 जुलाई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने मैरिटल रेप के मामले में सुनवाई की बात कही क्योंकि मैरिटल रेप से जुड़े मामले में दिल्ली और कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। केंद्र ने दिल्ली हाईकोर्ट में मैरिटल रेप पर चल रही सुनवाई के दौरान कहा कि केवल इसलिए कि अन्य देशों ने मैरिटल रेप को अपराध घोषित कर दिया है, भारत को भी ऐसा करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, भारत दुनिया के उन 49 देशों में शामिल है, जहां पत्नी से रेप करने वाले पति को समाज के साथ कानून भी दोषी नहीं मानता है। केंद्र सरकार मैरिटल रेप को अपराध मानने के पक्ष में नहीं है।

2017 में मोदी सरकार ने IPC की धारा 375 के मैरिटल रेप को अपराध न मानने के कानूनी अपवाद को हटाने का विरोध किया था। सरकार ने तर्क दिया था कि मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से विवाह की संस्था अस्थिर हो जाएगी और इसका इस्तेमाल पत्नियों द्वारा अपने पतियों को सजा देने के लिए किया जाएगा।

2016 में सरकार ने मैरिटल रेप के विचार को खारिज कर दिया था। सरकार ने कहा था कि देश में ढेरों सामाजिक रीति-रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और विवाह को एक संस्कार के रूप में माना जाता है। समाज की मानसिकता जैसे विभिन्न कारणों से इसे भारतीय संदर्भ में लागू नहीं किया जा सकता है।

शादीशुदा महिला के पास मैरिटल रेप से बचने के 3 अधिकार हैं...

तलाक का अधिकार: हिंदू मैरिज एक्ट सेक्शन 13, 1995 के तहत पत्नी को अपने पति की सहमति के बिना भी तलाक लेने का अधिकार है। अगर पति ने उसके साथ शारीरिक और मानसिक अत्याचार किया हो। फिर कानून कहता है कि पति अपनी तलाकशुदा पत्नी के साथ यौन संबंध नहीं बना सकता है।

अबॉर्शन का अधिकार: मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 के तहत पत्नी अपनी प्रेग्नेंसी को किसी भी समय खत्म कर सकती है। हालांकि इसके लिए प्रेग्नेंसी का 24 सप्ताह से कम का होना जरूरी है। कुछ स्पेशल केस में 24 सप्ताह के बाद भी अबॉर्शन कराने का अधिकार है। पत्नी को अपने ससुराल या पति की सहमति की जरूरत नहीं होती है।

घरेलू हिंसा के खिलाफ रिपोर्ट करने का अधिकार: घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत कोई भी शादीशुदा महिला पति या ससुराल वालों द्वारा शारीरिक, मानसिक, सेक्शुअल या आर्थिक रूप से सताए जाने पर शिकायत दर्ज करा सकती है। इसपर सख्त एक्शन लिए जाते हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (NFHS-5) के मुताबिक, देश में अब भी 10 में से 3 महिलाएं पति की शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करती हैं। दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में मैरिटल रेप को अपराध माना जाता है। वहीं भारत उन तीन दर्जन से अधिक देशों की लिस्ट में शामिल है, जहां अपनी पत्नी से बिना मंजूरी के संबंध बनाने को बलात्कार नहीं माना जाता है।

हाईकोर्ट बोला-पत्नी के साथ अननेचुरल सेक्स अपराध नहीं: कहा-सहमति नहीं फिर भी रेप का आरोप नहीं लगा सकती, 2017 में महिला की हो चुकी मौत

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सोमवार को पति-पत्नी के संबंधों को लेकर अहम फैसला सुनाया। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने कहा कि अननेचुरल सेक्स करने पर भी पत्नी अपने पति पर रेप या अप्राकृतिक कृत्य करने का आरोप नहीं लगा सकती, जब तक वह नाबालिग न हो।

दो टूक
रोहित कौशिक

कॉमेडी में अश्लीलता का तड़का अनुचित

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट'पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। रणवीर इलाहाबादिया अपनी आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में हैं। रणवीर ने माता-पिता व परिवार को लेकर अश्लील कमेंट किया था। इस कमेंट पर काफी विवाद हो रहा है। यूट्यूबर रणवीर, कॉमेडियन समय रैना और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्व मखीजा और शो के आयोजकों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। रणवीर अपने यूट्यूब पॉडकास्ट में फिल्मी हस्तियों और चर्चित हस्तियों से चर्चा करते हैं। सोशल मीडिया पर बहुत बड़ी संख्या में उनके फॉलोवर्स हैं। अब यूट्यूब ने वह वीडियो हटा दिया है। रणवीर ने अपनी इस हरकत के लिए माफी भी मांग ली है लेकिन रणवीर पर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। रणवीर ने शो में शामिल प्रतिभागी से पूछा था कि क्या आप अपने माता-पिता को अपने जीवन के बाकी हिस्से के लिए हर दिन सेक्स करते हुए देखेंगे या एक बार शामिल होंगे और इसे हमेशा के लिए रोकेंगे। कॉमेडी के नाम पर इस तरह के प्रश्न पूछना क्या वास्तव में जरूरी है। सवाल यह है कि ऐसे प्रश्नों से क्या हासिल हो जाएगा ? क्या माता- पिता के यौन सम्बन्धों को मजाक का विषय बनाया जा सकता हैं ? हालांकि पहले से ही यौन सम्बन्धों पर मजाक होते रहे हैं। पहले छिपकर यौन सम्बन्धों पर मजाक होते थे लेकिन अब यौन सम्बन्धों पर मजाक करना एक फैशन मान लिया गया है। सेक्स एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। सभी जीव-जंतु इसी प्रक्रिया के माध्यम से अपना जीवन चक्र चलाते हैं। सवाल यह है कि क्या किसी प्राकृतिक प्रक्रिया को आश्चर्य के तौर पर देखा जाना चाहिए? एक प्राकृतिक प्रक्रिया को मजाक बनाकर कहीं हम अपनी कुंठा तो नहीं दिखाते हैं ? इसी कुंठा के कारण हम कई नई चीजों को जन्म दे देते हैं। दरअसल यूट्यूब पर घटिया व्यंग्य और घटिया मजाक के अनेक शो चल रहे हैं। सच्चे अर्थों में तो इन्हें व्यंग्य भी नहीं कहा जा सकता। द्विअर्थी संवाद और सेक्स से सम्बंधित बातों का छौंक लगाकर इन्हें व्यंग्य और हास्य का नाम दिया जाता है। शर्मनाक तो यह है कि ऐसे शो को पसंद करने वाले लोग भी लाखों में हैं। इसका अर्थ यह है कि यह समाज ही ऐसे शो को पसंद करता है। बड़ी संख्या में लोगों द्वारा पसंद करने के कारण ही ये शो चल भी रहे हैं। सवाल यह है कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर शर्मनाक और घटिया हरकतों की इजाजत दी जा सकती है? शायद नहीं। इस दौर में सिर्फ एक रणवीर नहीं बल्कि सैकड़ों रणवीर इलाहाबादिया पैदा हो गए हैं। टैलेंट के नाम पर फूहड़ता को बढ़ावा दिया जा रहा है। टैलेंट के नाम पर गालियां देना आम हो गया है। जैसे इसे इस जमाने का फैशन मान लिया गया हो। शायद यह कभी सोचा भी नहीं गया होगा कि एक दिन गालियां देना भी फैशन हो जाएगा। सवाल यह है कि रणवीर इलाहाबादिया जैसे लोग घटिया हरकतों और घटिया टिप्पणियों को अपना अधिकार कैसे समझ लेते हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर क्या कुछ भी बोल देना हमारा अधिकार होना चाहिए ? हमें अपने अधिकार तो बहुत जल्दी याद आने लगते हैं लेकिन अपनी जिम्मेदारी बहुत जल्दी भूल जाते हैं। जाहिर है कि यदि हम अपनी जिम्मेदारी का ध्यान रखें तो ऐसी हरकतें सामने आ ही नहीं सकती हैं। दरअसल इस दौर में जिस तरह से नैतिकता को फालतू चीज मान लिया है उससे स्थिति बद से बदतर ही हुई है। यह ठीक है कि हर इंसान के लिए नैतिकता की परिभाषा अलग-अलग हो सकती है लेकिन इसके बावजूद हमारे अंदर इतना विवेक तो होना ही चाहिए कि हम स्वयं अपनी एक सीमा रेखा खींच सकें। इस दौर में बोल्ड दिखने की ऐसी प्रतिस्पर्धा हो रही है कि जिसमें हमारे आधारभूत संस्कार ही पीछे हो गए हैं। संस्कार नाम की चीज को पिछड़ा हुआ माना जाने लगा है। तभी तो एक शो में अपने माता-पिता के सेक्स को भी अपने मनोरंजन की बात बना दिया जाता है। क्या रणवीर के माता-पिता ने उसे यही संस्कार दिए होंगे। क्या इस दौर में माता-पिता की भी यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने बच्चों को संस्कारों का भी पाठ पढ़ाएं और इसे प्रगतिशीलता के मार्ग में अवरोधक न माना जाए। सवाल उठता है कि क्या रणवीर के माता-पिता उसकी इस बोल्ड छवि को स्वीकार कर पाएंगे। इसलिए इस दौर में भी संस्कारों को पुरानी चीज नहीं माना जाना चाहिए। इस तरह के शो में अपना स्तर इतना नीचे नहीं गिराना चाहिए कि सारी शर्म ही खत्म हो जाए। मर्यादा में रहकर ही संवाद किया जाना चाहिए। ऐसे संवादों में मानवीय रिश्तों की गरिमा का ध्यान भी रखा जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से सभी दुखों को खत्म किया जा सकता है

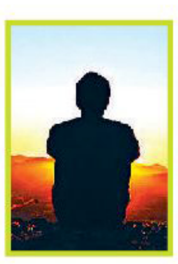

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए।

तुलसीदास जी द्वारा विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

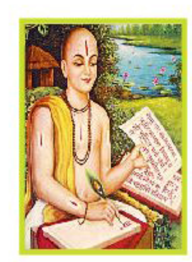

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गयी और उस हत्या के प्रायश्चित के लिये वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता था: राम राम ! मै हत्यारा हूँ, मुझे भिक्षा दीजिये। श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। गोस्वामी जी ने बड़ी प्रसन्नता से उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद खिलाया जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितो ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? गोस्वामी जी ने कहा कि वेदों पुराणों में भगवान् के नाम की महिमा लिखी है, उसे पढ़कर देख लीजिये। भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। उन्होंने गोस्वामी जी से कहा कि महिमा लिखी तो है परंतु हमें विश्वास नहीं होता। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा विश्वास वह उपाय कहिये? इसपर ब्राह्मणों ने कहा: यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले सकते हैं अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहाँ शर्त रखी गयी थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहा: हे नंदीश्वर ! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिये। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

स्टार्टअप और कौशल विकास बेरोजगारी का हल

आज से लगभग आठ वर्ष पहले केंद्र सरकार ने स्टार्टअप योजना को अमल में लाया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़, यानी उद्योगों को और मजबूत बनाना है। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के साथ-साथ महिला उद्यमियों को सब्सिडी भी मिलती है। सरकार इस योजना के अधीन उद्योगों को टैक्स में भी छूट देती है। हमारे देश में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। देश के उद्योग जितने मजबूत होंगे उतने ही रोजगार उपलब्ध होंगे और देश की आर्थिक व्यवस्था मजबूत होगी।

- पंकज मेहता, धमतरी

करंट अफेयर

मोदी का ट्रंप को 'मागा' की तर्ज पर 'मीगा' का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चर्चित कथन 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) की तर्ज पर 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (मीगा) का मंत्र दिया और कहा कि ये दोनों दृष्टिकोण मिलकर समृद्धि के लिए ''मेगा'' साझेदारी बनाते हैं तथा द्विपक्षीय साझेदारी को नई ऊंचाई प्रदान करने वाले हैं। उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संयुक्त सम्मेलन के दौरान कीं। दोनों नेताओं ने यहां रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय साझेदारी को व्यापक बनाने के लिए एक नई रूपरेखा तैयार करने को लेकर मुख्य रूप से बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदर्श वाक्य, 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (अमेरिका को फिर से महान बनाएं) यानी 'मागा' से सब परिचित हैं। भारत के लोग भी विरासत और विकास की राह पर 'विकसित भारत 2047' के संकल्प के साथ तेज गति से विकास की ओर बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं अमेरिका की भाषा में कहूं तो विकसित भारत का मतलब 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (भारत को फिर से महान बनाएं) यानी 'मीगा' है। जब संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत एक साथ काम करते हैं, यानी मागा और मीगा मिलकर समृद्धि के लिए ''मेगा'' साझेदारी बनती है तथा यह ''मेगा'' भावना हमारे लक्ष्यों को नया आकार और दायरा प्रदान करती है।''

ऑफ बीट

क्या एआई हमें मंदबुद्धि बना रहा है? शोध में आशंका

हममें से ज्यादातर लोग एक हद तक ही सोच पाते हैं। बिना कलम और कागज या कैलकुलेटर के 16,951 को 67 से भाग देने की कोशिश करें। पिछले हफ्ते बनाई गई सूची या अपने फोन पर उपलब्ध फेहरिस्त के बिना हफ्ते भर की खरीदारी करने की कोशिश करें। अपने जीवन को आसान बनाने के लिए इन उपकरणों पर निर्भर रहकर हम खुद को अधिक बुद्धिमान बना रहे हैं या मूर्ख? हम अपनी कार्यकुशलता बढ़ने के बावजूद क्या एक प्रजाति के रूप में अज्ञानता के और करीब जाने लगे हैं? यह प्रश्न विशेष रूप से ओपनएआई कंपनी के स्वामित्व वाला एक एआई चैटबॉट 'चैटजीपीटी' जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के संबंध में विचार करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिसका प्रत्येक सप्ताह 30 करोड़ लोग लेखन के समय उपयोग करते हैं। 'माइक्रोसॉफ्ट' और अमेरिका के कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा हाल ही में लिखे गए एक शोधपत्र के अनुसार, उक्त प्रश्न का उत्तर हां हो सकता है। लेकिन बात इससे कहीं आगे पहुंच चुकी है। अच्छी सूझबूझ शोधकर्ताओं ने मूल्यांकन किया कि उपयोगकर्ता अपनी विश्लेषणात्मक सोच पर एआई के प्रभाव को कैसे समझते हैं। आम तौर पर, विश्लेषणात्मक सोच का संबंध अच्छी तरह से सोचने से होता है।

ट्रेंड

एक्सप्रेस-वे का मुआयना

उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान आज 8000 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे का सांसद आई रमेश अवस्थी व डीएस भौंसले के साथ मुआयना किया।
-नितिन गड़करी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

पावन तीर्थ स्नान

144 साल बाद हो रहे तीर्थराज प्रयाग के महाकुंभ के भव्य आयोजन की व्यवस्था मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। एक हिंदू के नाते मैं भी उसमें पावन तीर्थ स्नान करने आया हूँ।
-देवेन्द्र फड़नवीस, सीएम, महाराष्ट्र

विनम्र श्रद्धांजलि

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हमारे वीर जवानों को शत-शत नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत उनका सर्वोच्च बलिदान कभी नहीं भूलेगा।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

महाकुम्भ में आशीर्वाद

पवित्र नदियों में स्नान करना पूर्वकर्मों के नाश और इस जीवन में सच्ची मुक्ति की ओर अग्रसर होने का प्रतीक है। कुम्भ मेला एकता, शांति और विभिन्न समुदायों के बीच सहयोग के आदर्शों को प्रतिष्ठित करता है। महा कुम्भ में आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर पाकर अत्यन्त गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।
-विवेक ओबेराय, अभिनेता

रॉयल पत्रिका

संक्षिप्त समाचार

इंद्रप्रस्थ योजना में सीवर लाइन बिछाने के काम में आई तेजी

गाजियाबाद एजेंसी। इंद्रप्रस्थ योजना में करीब 66 हेक्टेयर क्षेत्र में सीवर लाइन बिछने का कार्य चल रहा है, जो जल्द पूरा होगा। इसके पूरा होने से यह के लोगों को सीवरेज की समस्या से राहत मिल सकेगी। इंद्रप्रस्थ योजना में सीवर निस्तारण कार्य तेजी से चल रहा है। योजना में तीन चरणों में सीवर लाइन बिछने का कार्य किया जा रहा है। 66 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस योजना में कार्य पूरा होने के बाद सभी पॉकेट बी, डी, ई, एच, एफ को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में डीपीएस स्कूल के समीप सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसटीपी) का निर्माण किया गया, जिसकी लागत 4.5 करोड़ रुपये आई। दूसरे चरण में मावी चौक से जल निगम द्वारा विकसित सीवर मैनहोल संख्या 78 तक लगभग 1,800 मीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जा रही है। इस चरण की लागत 3.5 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। वर्तमान में 700 मीटर सीवर लाइन का कार्य पूरा हो चुका है, शेष कार्य अगले दो माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। तीसरे और अंतिम चरण में योजना के सभी पॉकेट को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र का सीवर निस्तारण सुचारु रूप से हो सकेगा। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि कार्य पूर्ण होने के बाद इंद्रप्रस्थ योजना के सभी निवासियों को सीवर की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी और क्षेत्र की स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

काइट कालेज में हुआ वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

मुरादनगरल एजेंसी। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित काइट कालेज में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छत्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। रण- 2025 के नाम से आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे पैरा तैराक प्रशांत करमाकर, खो खो विश्वकप की स्वर्ण पदक विजेता मोनिका शाह, डीन डा अनुराग गुप्ता, डीन आईटी डा आदेश पांडे व दीप प्रज्वलित करके किया। तीन दिवसी प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, ई-स्पोर्ट्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, योग, कराटे, बिलियर्ड्स, समेत 18 खेलों में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को संस्थान की ओर से सम्मान के प्रतीक के साथ सम्मानित किया गया।

पश्चिम बंगाल में 4त्न बढ़ा महंगाई भत्ता, कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले; बजट में ही हुआ बड़ा ऐलान

कोलकाता एजेंसी। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ रुपये का बजट बुधवार को पेश किया। इसमें सामाजिक कल्याण, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने अपने बजट में बुनियादी ढांचे तथा कृषि विकास परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें ग्रामीण संपर्क, नदी कटाव नियंत्रण तथा कृषि सहायता पहलों के लिए विशेष धनराशि आवंटित की गई है। भट्टाचार्य ने अन्य एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा कि राज्य सरकार एक अप्रैल 2025 से महंगाई भत्ते (डीए) में चार प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इससे राज्य कर्मचारियों के लिए कुल महंगाई भत्ता 18 प्रतिशत हो जाएगा। इससे बढ़ती महंगाई के बीच उन्हें आवश्यक राहत मिलेगी। इस कदम का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को दूर करना है जो बेहतर मुआवजे के लिए आंदोलन कर रहे हैं। चार फीसदी का अतिरिक्त डीए वृद्धि सरकार के अपने कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति में सुधार करने और उनकी सेवाओं के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की कोशिशों का हिस्सा है।

भट्टाचार्य ने कहा, महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ, हम अपने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई। डीए में इजाफे की घोषणा से विभिन्न विभागों के हजारों सरकारी कर्मचारियों पर वित्तीय दबाव कम होने की उम्मीद है, जिससे राज्य प्रशासन और उसके कर्मचारियों के बीच संबंध मजबूत होंगे। 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले ममता बनर्जी सरकार के अंतिम पूर्ण बजट का एक और बड़ा और प्रमुख आकर्षण राज्य भर में ग्रामीण सड़कों के सुधार के लिए 1,500 करोड़ रुपये का आवंटन है।

विद्यालय में मनाया मातृ पितृ पूजन दिवस

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका)। राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय बामला में बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्य एवं संस्कार देने के लिए मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन हुआ,कार्यक्रम में बच्चों ने अपने माता-पिता के चरण धोकर पूजन किया। माता पिता ने बच्चों को हृदय से लगाकर आशीर्वाद दिया।

मतदान का लिया संकल्प

मां पिता को दी गई हस्त लिखित वोट पाती निर्वाचन विभागीय निर्देशानुसार कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने माँ एवं पिता को स्वयं द्वारा हस्तलिखित वोट पाती देकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया, पीईईओ चंद्र मोहन मीणा ने सभी उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराया। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम प्रभारी अमित भार्गव ने उपस्थित जन से हर चुनावपर्व में उत्साह से मतदान करने की अपील करते हुए निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी,वही नव मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे वोटर हेल्पलाइन एप द्वारा ऑनलाइन

प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गयी साथ ही सीबीजील ऐप द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर 100 मिनट के अंदर समाधान प्राप्त करने के बारे में बताया एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया । साथ ही सक्षम ऐप द्वारा दिव्यांगजन को मतदान दिवस पर उपलब्ध होने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा 80 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा के बारे में बताया गया। उपप्राचार्य मंजू राठौर ने माता-पिता की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे संतान के पहले गुरु और संरक्षक होते हैं।

इस दौरान अभिभावक गण, बी एल ओ बुद्धेश नागर, विद्यालय स्टाफ, एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

एडीएम ने सुरक्षित यातायात के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका)14 फरवरी। जिले में बेहतर यातायात के प्रबंधन और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर दिवांशु शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में एडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की जिले में दुर्घटना संभावित स्थलों को चिन्हित कर वहां रोकथाम की कार्रवाई प्रभावी ढंग से करें। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को अभियान चला कर अवैध वाहनों की जपती और खास तौर पर बाल वाहिनी और स्कूल बसों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अंता मोड, किशनगंज, केलवाड़ा और शाहाबाद घाटी जैसे दुर्घटना संभावित स्थलों पर सड़क के गड्डों को भरने यातायात संकेतक लगाने और पुलिस की विशेष

निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य केवल कागजी कार्रवाई न होकर धरातल पर सड़क सुरक्षा के मानकों को पूरा किया जाए। उन्होंने हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों को भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात प्रभारी को शहर में जैन मंदिर के आसपास एवं अटरू रोड पर मंडोला के पास जैसे स्थानों पर विपरीत दिशा में चलने वाले वाहनों के अधिक अधिक चालान बनाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को अवैध स्थलों पर की गई पार्किंग पर वाहनों को उठाने के लिए क्रेन की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र शेखावत, जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, एसई पीडब्ल्यूडी राजवीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आप किस तरह का सिग्नल दे रहे हैं; ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई लताड़

रायपुर एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को छत्तीसगढ़ शराब मामले के आरोपी छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी को हिरासत में रखने को लेकर फटकार लगाई। ईडी ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 7 फरवरी के आदेश को चुनौती दिए बिना उन्हें हिरासत में रखा है। कोर्ट ने कहा था कि ईडी ने मामले के लिए अपेक्षित मंजूरी नहीं ली थी। ईडी के अप्रोज पर सवाल उठाते हुए जस्टिस अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, आप (ईडी) किस तरह का सिग्नल (संकेत) दे रहे हैं। एक व्यक्ति 8 अगस्त, 2024 से हिरासत में है? आज तक, उसके खिलाफ शिकायत का संज्ञान लेने वाली अदालत का कोई आदेश नहीं आया है और फिर भी वह हिरासत में है?

त्रिपाठी को जमानत देते हुए पीठ ने कहा कि 5 अक्टूबर, 2024 को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने त्रिपाठी और अन्य आरोपियों के खिलाफ ईडी की शिकायत (या आरोप पत्र) का संज्ञान लिया, जिसमें उन पर राज्य में शराब की बिक्री में अनियमितताओं से उत्पन्न मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए गए हैं, जिसमें शामिल राशि 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। त्रिपाठी ने इस आदेश को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनौती दी और दावा किया कि संज्ञान लेने का आदेश बिना मंजूरी लिए पारित किया गया था।

भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी होने के नाते, त्रिपाठी के खिलाफ कथित कृत्य उस अवधि के थे जब वे छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में (2019 और 2022 के बीच) प्रतिनियुक्ति पर थे। 7 फरवरी, 2025 के हाईकोर्ट के आदेश ने उनकी आगे की हिरासत को अवैध माना और 5 अक्टूबर के आदेश को इस आधार पर रद्द कर दिया कि त्रिपाठी के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 197 के तहत अभियोजन की मंजूरी नहीं थी।

कुख्यात गैंगस्टर भगप्पा हरिजन का खौफनाक अंत, फिर सुर्खियों में भीमा नदी घाटी

विजयपुरा एजेंसी। उत्तर कर्नाटक के कुख्यात गैंगस्टर भगप्पा हरिजन की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। यह वारदात विजयपुरा जिले के गांधी चौक थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मदिना नगर में उनके किराए के घर के पास हुई। पुलिस के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने तेज धारदार हथियारों से उस पर हमला किया। प्रारंभिक जांच में चार से पांच हमलावरों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

विजयपुरा के एसपी लक्ष्मण निम्बर्गी ने बताया, हमें रात 9-20 बजे घटना की सूचना मिली। जब फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, तो पुष्टि हुई कि भगप्पा की हत्या उनके घर के पास की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी संदिग्ध पहलुओं की जांच कर रही है और अपराधियों की तलाश जारी है।

भगप्पा हरिजन का आपराधिक इतिहास: भगप्पा हरिजन, 1990 के दशक के कुख्यात गैंगस्टर चंदप्पा हरिजन का करीबी रिश्तेदार और सहयोगी था। चंदप्पा की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद भगप्पा ने गैंग की कमान संभाल ली थी। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, भगप्पा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम सहित 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या से पहले उनके घर पर कौन-कौन मौजूद था, क्या बिजली काटी गई थी, और क्या हमलावरों को उसकी गतिविधियों की कोई सूचना मिली थी।

गैंगवार की पुरानी दुश्मनी का नतीजा?: भगप्पा हरिजन का नाम 2000 में चर्चा में आया था, जब उसके रिश्तेदार चंदप्पा हरिजन को महाराष्ट्र पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। उसी वर्ष, भगप्पा ने भी पुलिस पर गोली चलाई थी। 2017 में विजयपुरा की सत्र न्यायालय परिसर में उस पर हमला हुआ, लेकिन वह बच गया था और हैदराबाद में इलाज के बाद ठीक हो गया था।

बताया जाता है कि इस हत्या के पीछे सुपारी किलर पीरप्पा हडपद का हाथ हो सकता है, जिसे चंदप्पा के बेटे भीमस्या ने भगप्पा को खत्म करने के लिए कथित रूप से हायर किया था। हालांकि, इसके बाद भगप्पा अंडरवर्ल्ड से दूर होकर आम जिंदगी जीना चाहता था, लेकिन चंदप्पा हरिजन के पूर्व साथियों ने उसे चैन से नहीं रहने दिया।

भीमा नदी घाटी क्षेत्र में गैंगवार का इतिहास

भगप्पा हरिजन की हत्या ने विजयपुरा और कलबुर्गी जिलों में फैले भीमा नदी घाटी क्षेत्र में वर्षों से जारी गैंगवार की कड़वी यादें ताजा कर दी हैं। 1990 के दशक में चडचन क्षेत्र से शुरू हुआ यह अपराधीकरण उमरानी, अलमेल और अफजलपुर तक फैल गया था। हरिजन गैंग लंबे समय तक हत्या, हथियारों की तस्करी और सुपारी किलिंग जैसे अपराधों में लिप्त रहा। भगप्पा पर अवैध देसी पिस्तौल की तस्करी और भाड़े के हत्यारे मुहैया कराने के आरोप भी लगते रहे हैं। माना जाता है कि स्थानीय राजनेताओं और कुछ पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत के कारण इन गैंगस्टरों के अपराध वर्षों तक बेरोकटोक चलते रहे।

क्या अब खत्म होगी गैंगवार?

2007 में भगप्पा को पुणे में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह 2024 में विजयपुरा जिला अदालत में हुए हमले में बाल-बाल बच गया था। उसकी हत्या को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। विजयपुरा एसपी कुलदीप कुमार जैन ने इस हत्या को गैंगवार का अंतिम चरण बताया और कहा, ज्यादातर कुख्यात गैंगस्टर या तो मारे जा चुके हैं या जेल में बंद हैं। आने वाले समय में और खून-खराबे की संभावना कम है। हालांकि, स्थानीय लोगों को डर है कि यह शांति अस्थायी हो सकती है, क्योंकि पुराने दुश्मन अभी भी जिंदा हैं और प्रतिशोध की भावना बनी हुई है।

नोएडा में मॉडल टाउन गोलचक्कर पर बनेगा 3 रास्ते जोड़ने वाला एफओबी, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तक फायदा

नोएडा एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटे सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर ट्रैफिक की राह आसान करने के लिए योजना तैयार कर रहा है। इसके तहत एक्सप्रेसवे और मॉडल टाउन गोलचक्कर पर एफओबी बनाया जाना प्रस्तावित है। गोलचक्कर पर बनने वाले एफओबी को तीन दिशाओं में जोड़ते हुए बनाया जाएगा। इसके लिए करीब एक महीने में टेंडर जारी करने की तैयारी है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर अभी मॉडल टाउन गोलचक्कर से कुछ दूरी पर खोड़ा कॉलोनी की तरफ एक एफओबी बना हुआ है। यह एफओबी गोलचक्कर से थोड़ा दूर होने की वजह से लोग इसका कम इस्तेमाल करते हैं। इसकी वजह यह है कि दूर स्थानों से आने-जाने वाली बसें गोलचक्कर के पास ही आमने-सामने सवारियों को उतारती हैं। ऐसे में लोग अधिक संख्या में गोलचक्कर के सामने से ही सड़क पार करते हैं। इसको देखते अब एक्सप्रेसवे पर, जो एफओबी छिजारसी की तरफ बनाया जाएगा, वह एकदम गोलचक्कर के नजदीक होगा ताकि अधिक संख्या में लोग इसका इस्तेमाल कर सकें।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा दूसरा एफओबी मॉडल टाउन गोलचक्कर के पास बनाया जाएगा। इस एफओबी को तीन दिशाओं में बनाकर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को फायदा देने का प्रयास है। यह एफओबी गोलचक्कर पर एक्सपो सेंटर से छिजारसी की तरफ बनाया जाएगा। इसमें दोनों तरफ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की तरफ सीढ़ियां उतारी जाएंगी, ताकि लोगों को गोलचक्कर पैदल पार करने की जरूरत न पड़े। गोलचक्कर पर पैदल लोगों के नहीं आने पर यहां जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। सेक्टर-62 गोलचक्कर से लेकर सेक्टर-60 तक भी जरूरत के हिसाब से सड़क चौड़ी की जाएगी। इसके अलावा सड़क को दोनों तरफ चौड़ा किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी काम के लिए एक महीने के अंदर टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

सेक्टर-63 की ओर पैदल यात्रियों के लिए अलग लेन बनेगी: दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बनने वाले एफओबी से सेक्टर-63 की ओर आने-जाने पैदल लोगों के लिए अलग से ट्रैक बनाया जाएगा। ट्रैक के चारों तरफ हरियाली होगी। लोग सड़क पर नहीं आकर सीधे गंतव्य की ओर आएंगे-जाएंगे। उनकी वजह से ट्रैफिक प्रभावित नहीं होगा। सौंदर्यीकरण होगा = मॉडल टाउन गोलचक्कर को डेढ़ से दो मीटर छोटा किया जाएगा। गोलचक्कर छोटा होने पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की तरफ आने वाले वाहन बिना रुके निकल सकेंगी।

गौरव गोगोई की पत्नी के आईएसआई से संबंध; हिमंत सरमा का आरोप, कांग्रेस नेता ने भी दिया जवाब

गोवहाटी, एजेंसी। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता गौरव गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाया, जिसे लोकसभा में विपक्ष के उपनेता ने हास्यास्पद और मनोरंजक बताकर खारिज कर दिया। गोगोई ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने ऐसे निराधार आरोप इसलिए लगाए हैं, क्योंकि उसके पास उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले उनके और उनके परिवार को बदनाम करने के लिए इसी तरह का अभियान चलाया था और लोगों ने जवाब में उन्हें जोरहाट संसदीय क्षेत्र से चुना था। गोगोई की यह प्रतिक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया के आरोप के बाद आई है। भाटिया ने आरोप लगाया, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार अली तौकीर शेख और आईएसआई से संबंध सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है क्योंकि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। भाजपा प्रवक्ता ने मामले में कांग्रेस नेतृत्व और गोगोई से स्पष्टीकरण जारी करने की मांग की।

दिल्ली ही बदनाम नहीं, करोड़ों की सांसों पर भारी जहरीली हवा; बच्चों के लिए कितना खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली, ढाका, बैंकॉक, जकार्ता... ये सिर्फ नाम नहीं, बल्कि उन शहरों की फेहरिस्त है जहां लोग हर रोज जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में करीब 99त्न आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मानकों पर खरी नहीं उतरती। वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 70 लाख लोगों की असमय मौत हो जाती है।

एपी में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्सर लोग मानते हैं कि अगर आसमान साफ है, तो हवा भी साफ होगी, लेकिन यह सच नहीं है। ऊर्जा नीति संस्थान की तनुश्री गांगुली कहती हैं, नीला आसमान आपको साफ़ हवा की गारंटी नहीं देता। दरअसल, वायु प्रदूषण मुख्य रूप से ईंधन जलाने से पैदा होता है जैसे - कोयला, डीजल, पेट्रोल, लकड़ी या कृषि अवशेष जलाना। इस दौरान निकलने वाले बारीक कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) फेफड़ों में जाकर गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं।

बीमारियों की जड़ बन रही जहरीली हवा

वायु प्रदूषण दुनियाभर में समय से पहले मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है, जो हाई ब्लड प्रेशर के बाद आता है। यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 50 करोड़ से ज्यादा बच्चे हर दिन जहरीली हवा में सांस लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार, वायु प्रदूषण बच्चों के फेफड़ों और मानसिक विकास को प्रभावित करता है। बड़े लोगों में यह अस्थमा, दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब वायु गुणवत्ता खराब हो, तो घर के अंदर ही रहें और एन95 जैसे अच्छे मास्क का इस्तेमाल करें। हालांकि, यह हमेशा संभव नहीं होता, खासकर उन लोगों के लिए जो बाहर काम करते हैं। घर के अंदर भी हवा प्रदूषित हो सकती है, खासकर अगर खाना बनाते समय वेंटिलेशन ठीक न हो या अगर अगरबत्ती और मोमबत्तियां ज्यादा जलाई जाएं।

एयर प्यूरिफायर कितने कारगर?

एयर प्यूरिफायर प्रदूषण को कम कर सकते हैं, लेकिन उनकी अपनी सीमाएं हैं। ये छोटे कमरों में ही प्रभावी होते हैं और सभी लोग इन्हें खरीद भी नहीं सकते। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट के डैनी जारूम का कहना है कि जो लोग सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण से प्रभावित हैं, वे महंगे एयर प्यूरिफायर नहीं खरीद सकते।

भारत ने चीन की खड़ी कर दी खाट, ड्रैगन का जलवा खत्म

● भारत बना रैडो का सबसे बड़ा बाजार, चीन की बिक्री में गिरावट ● लक्जरी बाजारों में भारत की स्थिति सकारात्मक, चीन में मंदी

● बुल्गारी और अन्य ब्रांड भारत में विस्तार की योजना बना रहे हैं ● भारत हीरे और महंगी शराब में चीन को पीछे छोड़ चुका है

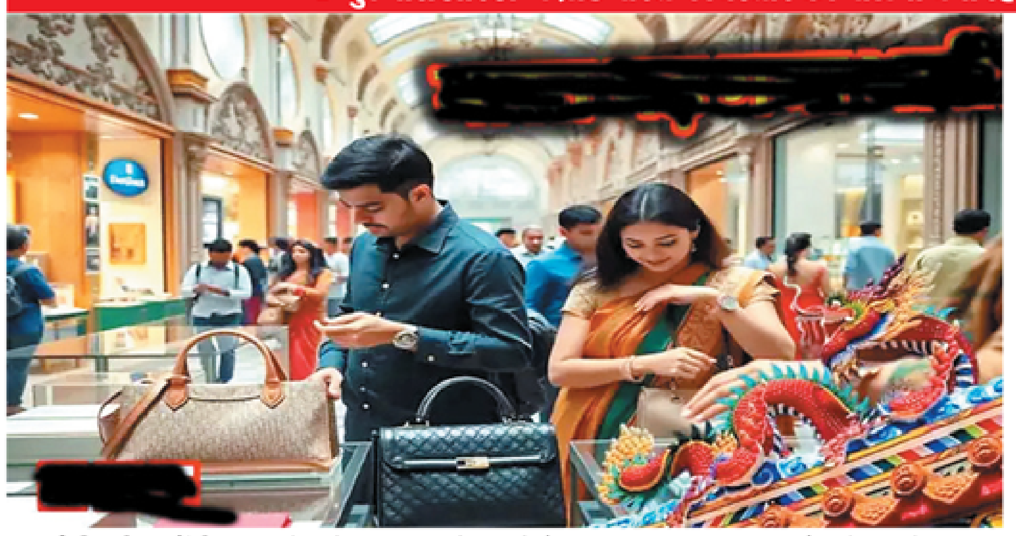

नई दिल्ली, एजेंसी। लक्जरी मार्केट का पूरा खेल बदल गया है। भारत ने इस सेक्टर में चीन की खाट खड़ी कर दी है। स्विस घड़ी निर्माता रैडो के लिए भारत दुनियाभर में सबसे बड़ा बाजार बन गया है। चीन के लक्जरी बाजार में मंदी के कारण यह हुआ है। स्वॉच ग्रुप का हिस्सा रैडो के ग्लोबल सीईओ एड्रियन बॉशार्ड ने हाल ही में बताया कि वैश्विक स्तर पर कई बाजार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। लेकिन, भारतीय बाजार अच्छी स्थिति में है। इसका भविष्य सकारात्मक है। चीन अभी मुश्किल दौर से गुजर रहा है। दूसरी ओर भारत में अभूतपूर्व रफ्तार देखी जा रही है। बुल्गारी के सीईओ जीन क्रिस्टोफ बेबिन ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि लक्जरी के लिए और भी आशाजनक बाजार हैं। लेकिन, आकार और क्षमता के मामले में वे भारत की बराबरी नहीं कर सकते। रैडो उन कई ग्लोबल लक्जरी ब्रांडों में से एक है जिनकी चीन में बिक्री घटी है। अब उन्हें भारत में बड़ी संभावनाएं दिख रही हैं। इटैलियन लक्जरी जूलरी, घड़ियां, परफ्यूम, एक्सेसरीज और चमड़े के सामान बनाने वाली कंपनी बुल्गारी चीन में गिरती मांग की भरपाई के लिए भारत की ओर देख रही है। बुल्गारी के सीईओ जीन क्रिस्टोफ बेबिन ने कुछ महीने पहले ब्लूमबर्ग टीवी के साथ एक इंटरव्यू में कहा था कि बुल्गारी भारत में अपने कारोबार का विस्तार कर रही है ताकि मजबूत विकास और अनुकूल जनसांख्यिकी का फायदा उठाया जा सके। दुनिया के सबसे बड़े लक्जरी कारोबार एलवीएमएच मोएट हेनेसी लुई वुइटन एसई से लेकर केरिंग एसए (गुच्ची के मालिक) तक सभी ग्लोबल लक्जरी दिग्गजों की चीन में बिक्री पिछले साल घट गई है। हालांकि, महामारी के बाद प्रीमियमाइजेशन का चलन मजबूत रहने के साथ भारत में वैश्विक लक्जरी व्यवसायों के लिए संभावनाएं हैं।

चीन का लक्जरी सेक्टर क्यों मंद पड़ रहा है

बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में कम उपभोक्ता विश्वास और विदेशी खर्च में बढ़ोतरी के कारण चीन के लक्जरी बाजार में 18 प्रतिशत-20 प्रतिशत की गिरावट आई, जो 2020 के स्तर पर वापस आ गया। लक्जरी मांग में गिरावट चीन में समग्र खपत में गिरावट का हिस्सा है। चीन की सुस्त घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच उपभोक्ता अब लक्जरी सामान खरीदने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। वह रियल एस्टेट संकट और अपस्फीति के दबाव से घिरी हुई है। समग्र आर्थिक मंदी के अलावा, चीन में लक्जरी ब्रांडों को एक और बढ़ती चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लक्जरी सामानों के लिए सेकेंड-हैंड और ग्रे मार्केट फल-फूल रहे हैं। कारण है कि कमजोर अर्थव्यवस्था में लक्जरी ब्रांडों की कीमतों में बढ़ोतरी कुछ खरीदारों को उन्हें खरीदने के सस्ते तरीकों की तलाश करने के लिए प्रेरित कर रही है। इससे एलवीएमएच जैसी कंपनियों के लिए चिंताएं बढ़ रही हैं। कंसल्टेंसी के अनुमानों के अनुसार, चीन में सेकेंड-हैंड लक्जरी बाजार 2020 से 30 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा है। इसमें प्लम, अेडअेडइआर और अलीबाबा के स्वामित्व वाली जियान्यू जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

डायमंड और लकिर में भी बगिाड़ दिया खेल

हाल ही में, भारत हीरे के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बनकर चीन से आगे निकल गया। इस बात की पुष्टि ब्रिटेन स्थित डायमंड फर्म डीई बियर्स ग्रूप के सीईओ अल कुक ने ब्लूमबर्ग के साथ एक इंटरव्यू के दौरान की थी। कुक ने इस ग्रोथ का श्रेय भारत के मजबूत डबल डिजिट ग्रोथ को दिया। यह चीन की मांग में गिरावट के बिल्कुल उलट है। भारत ने महंगी शराब की खपत में भी चीन को पीछे छोड़ दिया है। बीसीसी के विश्लेषकों के अनुसार, भारत में लक्जरी (खुदरा) बाजार 8 अरब डॉलर का है। 2032 तक 7 प्रतिशत की छ्तक्रसे बढ़कर 14 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। यह अभी भी चीन की तुलना में बहुत छोटा है।

भारत का लक्जरी क्षेत्र क्यों चमक रहा है

बेशक, भारत में शहरी खपत कम है। ग्रामीण खपत में अभी सुधार शुरू हुआ है। लेकिन, कोरोना के बाद लक्जरी की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत उन बड़े लक्जरी ब्रांडों के लिए तैयार विकल्प हो सकता है जो चीन में अपने कारोबार में गिरावट देख रहे हैं। बहुत सारे वैश्विक लक्जरी ब्रांड पहले से ही भारत पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार होता है, डिस्पोजेबल आय बढ़ती है और संपन्न आबादी का आकार बढ़ता है, उपभोक्ता प्रीमियम उत्पादों और लक्जरी ब्रांडों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह चलन धीमा होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। लक्जरी कारों से लेकर उच्च श्रेणी के सौंदर्य उत्पादों तक भारत का संपन्न वर्ग प्रीमियम वस्तुओं पर खर्च करने को तैयार है।

मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड ने क्यू3 एफवाय25 में 81 करोड़ की कुल आय दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु) (बीएसई: 540078), जो पॉलिमर-आधारित मोल्डेड उत्पादों, विशेष रूप से अस्पताल फर्नीचर के हिस्सों में एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है।

टिप्पणी करते हुए, मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री संजय डेढ़िया ने कहा, प्रमुख उद्योगों में लगातार मांग और नवाचार, परिचालन दक्षता और ग्राहक-केंद्रित समाधानों पर हमारे निरंतर फोकस के कारण हमारा विकास पथ मजबूत बना हुआ है। व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, हमने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना और अपनी विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाना जारी रखा है, जिससे हमारे हितधारकों के लिए निरंतर मूल्य सृजन सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, हमारे निर्यात खंड ने मजबूत गति प्राप्त की है, जो हमारे स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाता है और हमने अपने पोर्टफोलियो में कुछ देशों को भी जोड़ा है। राजस्व और लाभप्रदता में लगातार सुधार एक गतिशील कारोबारी माहौल में उत्कृष्टता और अनुकूलनशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने, लागत को अनुकूलित करने और विकास में तेजी लाने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के नए अवसरों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

फाइबरवेब इंडिया लिमिटेड ने 9एम एफवाय25 में शुद्ध लाभ में 167 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड (एनएसई - एफआईबीईआरडब्ल्यूईबी बीएसई - 507910), जो 100 प्रतिशत निर्यात उन्मुख इकाई है और नॉन-वोवन फैब्रिक के निर्माता हैं, ने तीसरी तिमाही और 9 महीने एफवाय25 के अनऑडिटेड परिणामों की घोषणा की है।

वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक, श्री भावेश पी शेठ ने कहा, हमारा मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हमारी सामरिक पहल और परिचालन दक्षता की प्रभावशीलता को दर्शाता है। 9एम एफवाय25 के लिए शुद्ध लाभ में 167 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मजबूत मार्जिन बनाए रखते हुए निरतर पैमाने पर बढ़ने की हमारी क्षमता को रेखांकित करती है। इस वृद्धि में कई प्रमुख कारकों ने योगदान दिया है, जिनमें विभिन्न उद्योगों में गैर-बुने हुए कपड़ों की बढ़ती मांग, बेहतर उत्पाद मिश्रण और बढ़ी हुई परिचालन क्षमताएं शामिल हैं। बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों के साथ स्पनलेस फैब्रिक्स में हमारा विस्तार भविष्य के लिए तैयार नवाचार की दिशा में एक कदम है, जो 200 करोड़ के धन संग्रह द्वारा समर्थित है।

इसके अतिरिक्त, हमारी क्रेडिट रेटिंग की पुन: पुष्टि हमारे वित्तीय स्थिरता और हमारे हितधारकों के विश्वास को दर्शाती है। कच्चे माल की सोर्सिंग को अनुकूलित करने, उच्च मार्जिन वाले क्षेत्रों में विस्तार करने और पैमाने की अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने की हमारी क्षमता ने लाभप्रदता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भविष्य में, हम नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता और बाजार की समझ में अपनी क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे ताकि सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके। उत्पाद पेशकशों का विस्तार करने और उद्योग में सकारात्मक रुझानों का लाभ उठाने पर केंद्रित होकर, हमें विश्वास है कि हमारी रणनीतिक पहलकदमियां दीर्घकालिक मूल्य सृजन करेंगी और गैर-बुने हुए कपड़ों की उद्योग में अग्रणी स्थान को सुदृढ़ करेंगी।

कैप्टन पॉलीप्लास्ट का क्यू3 एफवाय25 समेकित शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई एजेंसी। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड , जो माइक्रो इरिगेशन समाधानों के प्रमुख निर्माता और निर्यातक में से एक है, ने अपने संचालन को बढ़ते हुए सोलर ईपीसी और पॉलिमर बाजारों में भी विस्तारित किया है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (क्यू3 एफवाय25) के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर श्री रितेश खिचड़िया ने टिप्पणी करते हुए कहा, हम अपने क्यू3 एफवाय25 के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, जो स्थिर विकास और बेहतर लाभप्रदता को दर्शाता है। हमने कंपनी के इतिहास में सबसे उच्च तिमाही राजस्व 90.90 करोड़ हासिल किया है, जो हमारे सूक्ष्म सिंचाई और सोलर इपीसी व्यवसाय द्वारा संचालित किया गया है। एमआइएस व्यवसाय में, हमें कुछ महत्वपूर्ण राज्यों से बेहतर मांग देखने को मिली है, जो क्यू4 में भी जारी रहने की उम्मीद है। सौर इपीसी व्यवसाय में, हम प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना के तहत तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पंजीकरण कराने में सफल रहे हैं, जिससे अब परियोजना में हमारे अस्तित्व वाले राज्यों की संख्या 6 हो गई है।

नायसस फाइनेंस ने मुंबई रिडेवलपमेंट परियोजना में इन्वेस्टमेंट से लगभग 21 प्रतिशत आईआरआर पर निकासी की

मुंबई एजेंसी। नायसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड (बीएसई - नायसस 7 544296 7), जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख निवेश प्रबंधन फर्म है, ने मुंबई के एक सेल्फ-रीडेवलपमेंट हाउसिंग प्रोजेक्ट में अपने निवेश से सफलतापूर्वक बाहर निकलते हुए लगभग 21 प्रतिशत का प्रभावशाली आंतरिक प्रतिफल दर हासिल किया है। नायसस फाइनेंस सामरिक रूप से 22 करोड़ का निवेश मुंबई के पेस्टोम सागर, घाटकोपर स्थित एक सेल्फ-रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में किया था। इस प्रोजेक्ट के लिए त्रिलॉजी डेवेलपर्स ने विकास प्रबंधक के रूप में कार्य किया। 2022 के अंत में, नायसस फाइनेंस ने एक आवासीय सोसाइटी द्वारा किए गए सेल्फ-रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में पहली बार संस्थागत निवेश किया। यह प्रोजेक्ट, विश्वासंगम, घाटकोपर के पेस्टोम सागर क्षेत्र में दो पड़ोसी सोसाइटियों द्वारा एक किफायती सेल्फ-रीडेवलपमेंट पहल है।

2022 में, ट्रायलॉजी डेवलपर्स की परियोजना पहली सोसायटी सेल्फ-रीडेवलपमेंट पहल बनी जिसमें नायसस फाइनेंस ने इन्वेस्टमेंट किया। इस परियोजना में ट्रायलॉजी ने डेवलपमेंट मैनेजमेंट (डीएम) पार्टनर के रूप में कार्य किया। परियोजना में दो सोसायटियों का एकल विकास में विलय किया गया, जिसमें दो मंजिलें व्यावसायिक दुकानों की और सत्रह मंजिलें आवासीय अपार्टमेंट्स की थीं। यह निवेश कई वर्षों की पूर्ण अवधि के लिए संरचित किया गया था, जिसके दौरान नायसस फाइनेंस ने वित्तीय समर्थन के साथ-साथ रणनीतिक सहायता भी प्रदान की।

मुंबई ने प्रमुख पुनर्विकास परियोजनाओं में तेजी देखी है, जिसमें प्रेस्टिज, पुरवांकरा, गोदरेज और अन्य कई प्रमुख कंपनियां बाजार में प्रवेश कर रही हैं।

एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस ने दो ब्रांडों के विलय की घोषणा की

नईदिल्ली, एजेंसी। एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस ने इंडिया एनर्जी वीक, 2025 का उपयोग अपने मिश्रित ब्रांड इकाई की घोषणा के लिए मंच के तौर पर किया। मिश्रित ब्रांड के नए रूप का अनावरण एक समारोह के दौरान पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामकीय बोर्ड (पीएनजीआरबी) के चेयरपर्सन डाक्टर अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर थिंक गैस के चेयरमैन श्री अमितव सेनगुप्ता और थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री अभिलाष गुप्ता, श्रीए. रमनाकुमार, सदस्य - पीएनजीआरबी और श्री ताकेशीशिनोहारा सैन, एमडी, ओसाकागैस इंडिया प्राइवेट लिमिटेडउपस्थित रहे।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) क्षेत्र में दो प्रमुख ब्रांड एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस अब एक सिंगल ब्रांड- थिंक गैस के तहत परिचालन करेंगे और परिचालन कार्यक्षमता का उपयोग करते हुए बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाएंगे। अब विलय के बाद यह ब्रांड 10 राज्यों के 50 जिलों को कवर करते हुए 18 करोड़ से अधिक की आबादी को सेवाएं देगा। पीएनजीआरबी के चेयरपर्सन डाक्टर अनिल कुमार जैन ने इस नए ब्रांड का अनावरण करते हुए कहा, मैं एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस को उनके विलय उपरांत नई ब्रांड पहचान थिंक गैस बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत की वृद्धि को बल देने वाले टिकाऊ विकास के लिए यह नया ब्रांड एक ऊर्जा पारितंत्र का निर्माण करेगा।

नए ब्रांड की लांचिंग पर थिंक गैस के चेयरमैन श्री अमितव सेनगुप्ता ने कहा, एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस के इस रणनीतिक ब्रांड विलय से हम हमारे संयुक्त ब्रांड को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकेंगे और एक अग्रणी ऊर्जा कंपनी के तौर पर हमारी स्थिति मजबूत होगी। थिंक गैस के नए ब्रांड के तहत हमारा लक्ष्य इस देश में सबसे बड़े प्राकृतिक गैस नेटवर्कों में से एक का विकास करना और उसे स्थापित करना है।

एडलवाइज लाइफ़ की स्टडी से पता चलता है कि भारत में सैंडविच जेनरेशन के 60 प्रतिशत लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चिंता है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं है। सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कंधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुजुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। जीवन बीमा कंपनी ने यू गो1 के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों का एक सर्वे किया, ताकि उनके नज़रिये,

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ग्राहक सुरक्षा मजबूत बनाने के लिए आई4सी के रियल टाईम आई4सी इंटीग्रेशन के साथ लाईव होने वाला पहला पेमेंट्स बैंक बना

मुंबई एजेंसी। ग्राहक सुरक्षा को मजबूत बनाने की एक बड़ी पहल में एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने सिस्टम को गृह मंत्रालय एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस के माध्यम से इंडियन साईबरक्राईम कोऑर्डिनेशन सेंटर के नेशनल साईबरक्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल सिटिजन फाईनेंशियल साईबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम के साथ इंटीग्रेट किया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक भारत में पहले चार बैंकों में से एक और पहला पेमेंट्स बैंक बन गया है, जिन्होंने यह इंटीग्रेशन स्थापित किया है। इससे फाईनेंशन फ्रॉड्स को रोकने और ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करने की एयरटेल पेमेंट्स बैंक की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। यह एडवांस्ड एपीआई इंटीग्रेशन 1930 हैल्पलाईन सहित आई4सी, नेशनल साईबरक्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के निपटान के लिए बैंक द्वारा किए जाने वाले मैन्युअल कार्यों को ऑटोमेट कर देगा। एयरटेल पेमेंट्स बैंक, आई4सी और गृह मंत्रालय के बीच हाथों-हाथ जानकारी साझा हो जाने से साईबरक्राईम शिकायतों का निपटान ज्यादा तेजी से और ज्यादा लॉजिकल प्रोसेसिंग द्वारा हो सकेगा। इससे आई4सी, गृह मंत्रालय को विभिन्न विवरण मिल सकेंगे, जिसमें शिकायतों की संख्या, मोबाईल नंबर, एकाउंट नंबर, दर्ज कराई गई फ्रॉड की राशि, ट्रांज़ैक्शन के संदर्भ आदि शामिल हैं। इस सिस्टम द्वारा बैंक तुरंत कार्रवाई करने में समर्थ बनेगा ताकि दर्ज कराए गए एकाउंट का दुरुपयोग फौरन रोका जा सके। गणेश अनंतनारायणन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने इस प्रगति के बारे में कहा, ''एयरटेल पेमेंट्स बैंक ग्राहकों की सुरक्षा पर केंद्रित है। (आई4सी), गृह मंत्रालय के साथ हमारा इंटीग्रेशन फाईनेंशियल फ्रॉड्स को रोकने में आगे रहने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। साथ ही, इससे नेशनल साईबरक्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायतों का हाथों-हाथ निपटारा भी सुनिश्चित होगा। यह इंटीग्रेशन हमारे सुरक्षा समाधानों को मजबूत बनाएगा, जो हमारे ग्राहकों की सुरक्षा के लिए तैयार किए गए हैं।''

एचडीएफसी बैंक ने पीएसयू कर्मचारियों के लिए भारत का पहला साइबर फ्रॉड कवर - अनमोल सेलरी अकाउंट लॉन्च किया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज साइबर फ्रॉड कवर के साथ भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वेतन खाता - अनमोल बचत खाता लॉन्च किया है। एचडीएफसी बैंक अपने बचत खाता उत्पाद में लगातार नवाचार कर रहा है। विभिन्न जरुरतों वाले विभिन्न ग्राहक वर्गों - वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं को लक्षित बचत खातों के स्पेशल सूट के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1.5 लाख रुपए तक का साइबर फ्रॉड कवर प्रदान करता है, जबकि पेशेवरों के लिए साइबर फ्रॉड कवर 25,000-50,000 रुपए तक होता है। इसी तरह, स्पेशल गोल्ड वूमेन खाता महिलाओं को 5 लाख रुपए तक का कैंसर कवर देता है। अनमोल बचत खाते की मुख्य विशेषताएं हैं :- साइबर धोखाधड़ी कवर- 25,000 रुपए तक के साइबर धोखाधड़ी से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करता है। पारिवारिक लाभ - 5 पारिवारिक सदस्यों तक के लिए जीरो बैलेंस सैलरी फैमिली अकाउंट और लॉकर लाभ। बीमा कवर - ग्राहकों को ओपीडी कवरेज के साथ व्यापक स्वास्थ्य कवर 30 लाख रुपए तक की टॉप अप योजना और 15 लाख रुपए से अधिक मूल्य के जीरो कॉस्ट दुर्घटना बीमा कवर का लाभ मिलेगा , विशेष ऑफ़र के साथ मुफ़्त प्लेटिनम डेबिट कार्ड और हर साल 8

आईसीआईसीआई बैंक ने वायुमंडल की नमी से पानी बनाने के लिए इकाइयाँ स्थापित कीं

इकाइयों की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 8,000 लीटर पीने योग्य पानी

मुंबइ एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने अपने कामकाज के दौरान सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत वायुमंडलीय नमी से पीने योग्य पानी बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने की घोषणा की है। बैंक ने वायुमंडलीय नमी से प्रतिदिन 8,000 लीटर पीने योग्य पानी बनाने के लिए इकाइयाँ स्थापित की हैं, जिससे इन पाँच कार्यालयों में 4,200 कर्मचारियों को लाभ होगा - बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई में एक-एक और चेन्नई में दो। इन इकाइयों को वायुमंडलीय जल जनरेटर के रूप में जाना जाता है। इनमें वायुमंडलीय नमी को 100 प्रतिशत सूक्ष्मजीव मुक्त, ताज़ा और स्वच्छ पेयजल में बदलने के लिए नवीन तकनीक का उपयोग किया जाता है। कंडेन्सेशन की प्रक्रिया जल वाष्प को बूंदों में बदल देती है, जो फिर फिल्टरेशन संबंधी कई प्रक्रियाओं से गुजरती हैं। प्रक्रिया के अंत में आवश्यक खनिज मिलाए जाते हैं। वायुमंडलीय जल जनरेटर पूरे वर्ष पानी का उत्पादन कर सकते हैं क्योंकि वे परिवेश के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता (25 प्रतिशत- 100 प्रतिशत) की एक विस्तृत श्रृंखला में काम कर सकते हैं।

आईसीआईसीआई बैंक के समूह मुख्य मानव संसाधन अधिकारी श्री सौमेन्द्र मत्तगजसिंह ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक में हमारी निरंतर यह कोशिश रहती है कि हम पर्यावरण पर अपने संचालन के प्रभाव को कम करें। हम अपने व्यवसाय को सस्टेनेबल और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारी रणनीति पर्यावरण संरक्षण के 4आर (कम करें, पुन: उपयोग करें, रीसाइकिल करें और जिम्मेदारी से निपटान करें) सिद्धांत पर आधारित है। यह अनुमान लगाया गया है कि वायुमंडलीय नमी हमारी धरती पर सभी नदियों में मौजूद ताजे पानी से कई गुना अधिक है। इस नवीकरणीय संसाधन का लाभ उठाने के लिए, हमने जल वाष्प को पीने के पानी में बदलने के लिए अपने कार्यालयों में एडब्लूजी स्थापित किए हैं। यह पहल वायुमंडलीय नमी का अच्छा उपयोग करने के साथ-साथ पैकेज्ड पानी पर हमारी निर्भरता को कम करती है।

इंवेस्ट एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के कर्टेन रेज़र इवेंट का सफल आयोजन

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी इंवेस्ट एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के कर्टेन रेज़र इवेंट का भव्य आयोजन आज नई दिल्ली स्थित होटल ताजमहल में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश-विदेश के निवेशकों को मध्य प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करना और आगामी समिट की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत करना था। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रूप अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाओं और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य भारत को उसकी सही ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। हमारा उद्देश्य देशी व्यवसायों को आगे बढ़ाना और शीर्ष पर ले जाना है। निवेशकों और उद्योगपतियों को एकजुट होकर सभी क्षेत्रों की वृद्धि में योगदान देना चाहिए।

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

छोटी-छोटी बातों पर जब महसूस हो तनाव

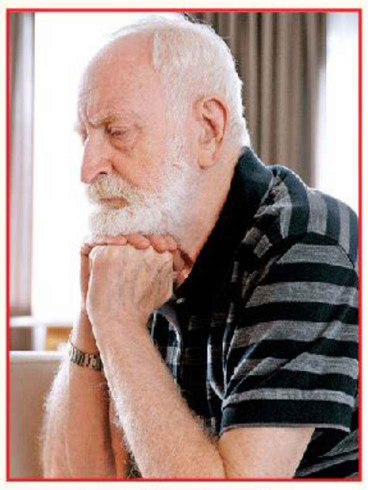

मेरी उम्र 69 वर्ष है। मैं अक्सर छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त हो जाता हूं। इस वजह से मुझे ठीक से नींद नहीं आती और कभी-कभी ब्लड-प्रेशर भी बढ़ जाता है। कृपया बताएं कि मैं अपनी इस समस्या से कैसे निजात पाऊं?

-सर्वेश्वर, रायपुर

आप जो छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त होते हैं, तनाव लेने के बजाय आपको उनका समाधान ढूंढना चाहिए। तनाव लेने से कुछ नहीं होगा, लेकिन समाधान से ही सब होना है। इसके साथ ही आप कोशिश करें कि कुछ क्रिएटिव काम करते रहें, क्योंकि अगर आप खाली रहेंगे तो आपका मन इधर-उधर डाइवर्ट होगा और परेशानी बढ़ सकती है। इससे भी आराम नहीं हो रहा है तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मैं जब भी शेव करता हूं, मेरे चेहरे पर रैशेज हो जाते हैं। कई बार तो बड़े-बड़े लाल दाने भी निकल आते हैं। प्लीज इसका सॉल्यूशन बताएं।

-मुदित, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि चेहरे में हल्के दाने होंगे, जिसकी वजह से शेव करने से रैसेज पड़ जाते हैं। पहले आप किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर इसकी जांच कराएं, जिससे कारण पता चलेगा, क्योंकि अगर दाने होंगे और आप शेविंग करेंगे तो यह समस्या बनी रहेगी। हालांकि कई बार शेविंग क्रीम से इंफेक्शन की भी संभावना होती है। यह डॉक्टर जांच करने के बाद बता पाएंगे।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ दिनों से मेरे पेट में दर्द रहता है। भूख नहीं लगती है और कभी-कभी बुखार भी आता है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कुणाल, दुर्ग

आपको बगैर देर किए जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि आपके लक्षण देखकर ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, जिसमें बुखार भी रहता है। लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। इसलिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जांच के बाद ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। करीब एक साल से मुझे बैक-पेन की प्रॉब्लम है। लेटे रहने पर तो ठीक रहता है, लेकिन बैठने या खड़े होने पर दर्द बढ़ जाता है। कृपया इस समस्या का कोई समाधान बताएं।

-शंभुनाथ, महासमुंद

उम्र बढ़ाने के साथ कई तरह की समस्याएं हो जाती हैं। लेकिन आप बता रहे हैं कि लेटने से आराम मिलता है, यानी मूवमेंट करने में दिक्कत आ रही है। हालांकि कई बार कैल्शियम और विटामिन डी की कमी भी बैक पेन का कारण बनता है। एक बार आप हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर एक्स-रे करा लें, जिससे पता चल जाएगा कि हड्डियों में तो कोई दिक्कत नहीं हो रही है। साथ ही आप नियमित रूप से बैक की एक्सरसाइज करें, इसी से स्थाई रूप में राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे लगातार खांसी आ रही है। घर से बाहर यह प्रॉब्लम और भी बढ़ जाती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-रक्षित, बिलासपुर

अगर आपको लंबे समय से खांसी आ रही है तो जरूर एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए। लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि घर के बाहर समस्या और बढ़ जाती है, इससे ऐसा लग रहा है कि आपको पॉल्यूशन की वजह से ऐसी प्रॉब्लम आ रही है। इसलिए आप कोशिश करें कि घर से बाहर निकलें तो मास्क पहनकर निकलें। साथ ही एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करा लें, जिससे किसी तरह की शंका न रहे।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मुझे बीते 3 सालों से पाइल्स की समस्या है। कृपया इसका उचित उपचार बताएं।

-एक पाठक, ईमेल से

पाइल्स की समस्या का सीधा संबंध कब्ज से होता है। अगर आपको कब्ज रहती है तो यह बीमारी होने की संभावना पूरी रहती है। इससे बचाव के लिए आप नियमित रूप में पपीता खाएं। अदरक और मिर्च वाले खाने से परहेज करें। साथ ही ऑयली खाना कम से कम खाएं। रात में हल्का खाना खाएं और सोने से पहले गुनगुना दूध लें। इन प्रयासों से आपको आराम मिलेगा। *

प्रस्तुति : रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

हेल्थ-फिटनेस

विवेक कुमार

आज के दौर में हम में से अधिकांश लोगों की लाइफस्टाइल में स्टेबिलिटी बढ़ रही है, फिजिकल एक्टिविटी कम होती जा रही है। जॉब की वजह से भी बहुत लोग लॉन्ग सिटिंग करते हैं। इस वजह से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ता जा रहा है। कई स्टडीज में इसके नुकसान और इससे बचाव के तरीके बताए गए हैं। आपको इनके बारे में जरूर मालूम होना चाहिए।

कई बीमारियों का रिस्क बढ़ाती है लॉन्ग सिटिंग

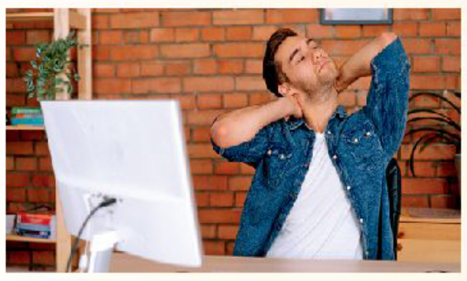

हाल ही में ब्रिटेन की ग्लासगो कैलेडोनियन यूनिवर्सिटी में एक अध्ययन किया गया, जिसमें पाया गया कि एक जगह पर ज्यादा देर तक बैठने वाले लोगों में डायबिटीज, मोटापा और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए प्रतिदिन एक्सरसाइज करने की जरूरत होती है। एक्सरसाइज से न केवल गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि लगातार बैठने के कारण अचानक होने वाली मौतों का खतरा भी 30 फीसदी तक घट सकता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार 4 से 6 घंटे बैठने वालों को 12 से 18 मिनट, 6 से 8 घंटे तक बैठने वालों को 18 से 24 मिनट और 8 से 10 घंटे तक बैठने वालों को एक्सरसाइज के लिए कम से कम रोजाना 24 से 30 मिनट देने चाहिए।

जीवनशैली है जिम्मेदार

लॉन्ग सिटिंग की वजह यह है कि पहले लोगों की जीवनशैली में गतिशीलता अधिक थी। किसी भी काम को करने के लिए उन्हें कहीं न कहीं जाना पड़ता था। आज काम करने के लिए डेस्क है। खाना खाने के दौरान टीवी सेट सामने है। मूवमेंट बहुत कम होती है। पूरा दिन लोग सिर्फ ऑनलाइन रहते हैं। खाना भी हम अपने मोबाइल फोन, टीवी या लैपटॉप के सामने बैठकर ही खाते हैं, जिससे लगातार हम बैठे ही रहते हैं और हमारा वजन बढ़ता है। केवल प्रतिदिन 15 या 20 मिनट की आरामदायक सैर से हम इससे होने वाले तमाम खतरों को कम कर सकते हैं।

लॉन्ग सिटिंग की वजहें

कई लोगों के लिए ऑफिस वर्क का मतलब ही होता है, कई घंटों तक लगातार एक ही जगह पर बैठे रहना। वे पूरे दिन में बहुत की कम टहलने के लिए निकलते हैं बल्कि कहा जाए तो लगातार घंटों सिर्फ काम ही करते हैं। वे बैठकर लगातार काम करते हैं, बीच में खड़े भी नहीं होते। इस तरह की कार्यशैली को हम अपने काम का एक नियमित हिस्सा मान लेते हैं और इसे आसानी से नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन विभिन्न देशों में शोधकर्ताओं के बीच यह लगातार एक चिंता का विषय बन रहा है। येल मेडिसिन फिजियाट्रिस्ट एरिक के. होल्डर के अनुसार, 'मेरे मस्कुलोस्केलेटल क्लीनिक में लंबे समय तक बैठे रहना और उससे होने वाली कई परेशानियों के कई मरीज आते हैं। इस एक वजह के कारण उन्हें कई अन्य और प्रकार के डॉक्टरों के पास जाना पड़ता है।' वह आगे कहते हैं, 'लोग डेस्क पर बैठे रहते हैं, लंबे समय तक कंप्यूटर या टीवी के सामने बैठे रहते हैं, लगातार कार, ट्रेनों और विमानों में यात्रा करते रहते हैं। यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है, जो कई पुरानी बीमारियों को जन्म दे सकती है।'

हो सकती हैं कई समस्याएं

येल मेडिसिन विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बैठने से हमारे पैरों के निचले हिस्से और पंजे थक जाते हैं, उनमें सूजन और दर्द रहने लगती है। वहां रक्त और तरल पदार्थ जमा होने का हमें खुद एहसास होने लगता है। पैर की गहरी नसों में खून का थक्का जम जाता है और खून फेफड़ों तक न जा पाने के कारण हमारे बीमार होने की आशंका बढ़ती है। लगातार स्थिर रहने से इस तरह की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसके लिए अपने जोखिम को कम करने हेतु हर 30 मिनट या 1 घंटे के बाद खड़े होकर टहलें। कुछ न कुछ फिजिकल एक्टिविटी करें।

स्पाइनल कॉर्ड पर पड़ता है दुष्प्रभाव

डॉक्टर होल्डर के अनुसार लंबे समय तक बैठे रहने से रीढ़ की हड्डी के साथ-साथ कंधों और कूल्हों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कंप्यूटर पर बैठने के दौरान आगे की ओर झुक कर हम अपनी कमर को सीधा नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों में थकान होती है। पीठ के निचले हिस्से पर दबाव बढ़ने से रीढ़ की हड्डी का लचीलापन कम हो जाता है। उनके अनुसार 18 से 64 वर्ष की आयु के लोगों को कम से कम 150 मिनट एरोबिक एक्सरसाइज करनी चाहिए। बैठने के बुरे प्रभावों से बचने के लिए पूरे दिन में बार-बार हिलना-डुलना चाहिए।

सिटिंग के दौरान लेते रहें ब्रेक

डॉ. होल्डर का कहना है कि अपना वर्कस्टेशन ऐसा बनाएं, जिसमें स्टैंडिंग डेस्क हो। अगर ऐसा नहीं है तो अपने लैपटॉप या डेस्क टॉप को ऊंचे काउंटर पर रखें या हर आधे घंटे के बाद थोड़ा उठें और चलें-फिरें। ज्यादा कुछ न कर सकें तो अपनी पानी की बोतल छोटी रखें, ताकि दिन में कई बार पानी भरने के लिए आपको वॉटर कूलर तक जाना पड़े। घर पर भी लगातार टीवी देखने के दौरान विज्ञापनों के दौरान खड़े होने और चलने और स्ट्रेचिंग के लिए ब्रेक लेना चाहिए।

हार्ट डिजीज का बढ़ता है रिस्क

लगातार बैठना, शारीरिक गतिविधि की कमी से हृदय रोग की आशंकाओं को बढ़ाता है। डॉ. लैंपर्ड का कहना है कि इसके लिए हर घंटे थोड़ी देर टहलना ही एकमात्र समाधान है। लगातार बैठने से वजन बढ़ना, मोटापा, मधुमेह की आशंकाएं भी बढ़ती हैं। इसके अलावा काम पर लगातार बैठे रहना और गतिहीन जीवनशैली, कैंसर का भी कारण बनती है। इसलिए जितना संभव हो सके अपना काम खड़े होकर करें। बीच-बीच में चलते रहें। खड़े रहने से बैठने की तुलना में दोगुनी कैलोरी बर्न होती है।

कहने का कुल सार यही है कि किसी भी वजह से लगातर बैठे रहना हमारे हेल्थ और फिटनेस के लिए बहुत हार्मफुल है। इससे बचाव के लिए हमे यहां बताई गई बातों को अमल में लाना जरूरी है। *

इनका भी रखें ध्यान

हम सभी के पास करने के लिए काम है और कई लोगों के पास इतना समय नहीं है कि वर्कआउट कर सकें। इसलिए जितना संभव हो उतना ही काम करें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें, धूम्रपान से बचें। शराब और मांस का सेवन कम करें और पर्याप्त मात्रा में फल और सब्जियां खाकर एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हम कई रोगों से बच सकते हैं।

घरेलू औषधि / वीना गौतम

स्वाद बढ़ाए रोगों से बचाए तेजपत्ता

उत्तर हो या दक्षिण, पूरब हो या पश्चिम, शहर हो या गांव, घर हो या होटल, हर रसोई में मौजूद होता है तेजपत्ता। भारत में तेजपत्ते का इस्तेमाल स्वाद बढ़ाने वाले मसाले के रूप में ही नहीं बल्कि घरेलू औषधि और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी के रूप में भी सदियों से होता रहा है। यही वजह है कि इसकी देश में बहुत ज्यादा डिमांड है और देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मसाले के रूप में जो तेजपत्ता इस्तेमाल किया जाता है, उसमें करीब 70 फीसदी तेजपत्ता भारत से ही जाता है।

तेजपत्ता लॉरेसी परिवार का पेड़ है। अपने देश में इसके कई नाम प्रचलित हैं मसलन-सिन्नामोमम तमाला, मालाबार पत्ता, भारतीय छाल, भारतीय कैसिया या मालाबाथ्रम के नाम से इसे भी जानते हैं। तेजपत्ता का पेड़ भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, चीन, फ्रांस और इटली के साथ-साथ रूस, मध्य अमेरिका, उत्तरी अमेरिका औश्र बेल्जियम में भी पाया जाता है। तेजपत्ता के पेड़ की खेती भारत के कई राज्यों में की जाती है, जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी।

कई रोगों में कारगर: तेजपत्ता के पेड़ के पत्तों में, लौंग जैसी सुगंध होती है, इसलिए इसका इस्तेमाल जहां मसालों के तौर पर खाना पकाने में किया जाता है, वहीं इसके तेल का इस्तेमाल सिरदर्द, जोड़ों के दर्द, अर्थराइटिस, सूजन आदि में रामबाण सरीखी राहत पाने के लिए किया जाता है। साथ ही तेजपत्ता के पेड़ के पत्तियों का इस्तेमाल हर्बल चाय बनाने में भी किया जाता है।

इसमें एंटीइंफ्लेमेट्री गुण होते हैं। इसलिए इसके सेवन से शारीरिक सूजन में आराम मिलता है। यह पाचक एंजाइम्स को स्टिमुलेट करता है। इस तरह पाचन में सहायक होता है और अपच, गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं इसलिए इसका सेवन हमें कैंसर और हार्ट डिजीज के रिस्क से बचाने में भी सहायक होता है। तेजपत्ते में कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स पाए जाते हैं, जो सांस संबंधी समस्याओं में राहत देते हैं, सीने की जकड़न को कम करते हैं। *

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ भरपेट खाना या तरह-तरह के व्यंजन खाना ही पर्याप्त नहीं होता है। इसके लिए आपको भोजन संबंधी कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। क्या हैं वो भोजन संबंधी कायदे, आपको जरूर जानने चाहिए।

क्या आप जानते हैं भोजन करने के ये नियम

हम जो भोजन करते हैं, वो हमारे स्वास्थ्य, मन और स्वभाव को भी प्रभावित करता है। जो मन में आया, जब मन में आया खा लिया यह आदत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जरूरी है, भोजन से संबंधित कुछ नियम-कायदों का पालन करें।

खाना कब खाएं: सुबह 10 से 11 बजे के बीच भोजन कर लेना चाहिए ताकि दिनभर कार्य करने के लिए ऊर्जा मिल सके। दिन का भोजन शारीरिक मेहनत के अनुसार अच्छी मात्रा में लेकिन रात्रि-भोजन हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। रात्रि भोजन, सोने से दो या तीन घंटे पहले करना चाहिए। अच्छी तरह भूख लगने पर ही भोजन करना चाहिए। नाश्ता हो या लंच या डिनर, नियत समय पर करने से ही पाचन अच्छा होता है।

खाना कैसे खाएं: हाथ-पैर, मुंह धोकर व्यवस्थित रूप से बैठकर भोजन करें। खड़े-खड़े, जूते पहन कर, भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन अच्छी तरह चबा-चबा कर करना चाहिए वरना दांतों का काम (पीसने का) आंतों को करना पड़ेगा, जिससे भोजन का पाचन सही नहीं हो पाएगा। भोजन करते समय शांत रहना चाहिए। इससे भोजन में लार मिलने से भोजन का पाचन अच्छा होता है। टीवी देखते या अखबार पढ़ते हुए खाना नहीं खाना चाहिए। भोजन हमेशा शांत-प्रसन्नचित्त होकर करना चाहिए।

क्या-कब और कैसे खाएं: अगर हम अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो भोजन से संबंधित इन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखें।

- भोजन को कभी भी भूख से अधिक नहीं खाना चाहिए। इसलिए धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए और तीन-चौथाई पेट ही भोजन करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- बासी, ठंडा, कच्चा या जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए। प्रातः भोजन के बाद शाम को अगर अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है। लेकिन रात्रि को भोजन के बाद प्रातः अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
- खाद्य सामग्री में कड़े पदार्थ पहले, नरम पदार्थ बीच में और पतले पदार्थ भोजन करने के अंत में खाना चाहिए।
- भोजन करते समय प्रारंभ में मीठे, बीच में नमकीन और अंत में कसैले पदार्थों को खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले केला और ककड़ी नहीं खाना चाहिए।
- भोजन में दूध, दही, छाछ का प्रयोग दीर्घजीवी बनाता है।
- भोजन करने के बाद न क्रोध करें, न तुरंत व्यायाम करें। इससे स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है।
- डिनर के बाद दूध पीना हितकर है।

भोजन के बाद क्या करें: लंच के बाद टहलना और डिनर के बाद में सौ कदम टहलकर बाईं करवट लेटने या वज्रासन में बैठने से भोजन का पाचन अच्छा होता है। भोजन के एक घंटे पश्चात मीठा दूध और फ्रूट लेने से भोजन का पाचन अच्छा होता है।

भोजन के बाद क्या न करें: भोजन के तुरंत बाद पानी या चाय नहीं पीना चाहिए। भोजन के पश्चात घुड़सवारी, दौड़ना, बैठना, लेटना, सोना नहीं चाहिए।

क्या-क्या न खाएं: रात्रि को दही, सत्तू, तिल और गरिष्ठ भोजन नहीं लेना चाहिए। दूध के साथ नमक, दही, खट्टे पदार्थ, मछली, कटहल का सेवन नहीं करना चाहिए। शहद और घी का समान मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए। दूध-खीर के साथ खिचड़ी नहीं खाना चाहिए। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाने में अर्धचंद्रासन बहुत कारगर है। इससे कई तरह की शारीरिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। लेकिन इसे करते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए। इस आसन को करने की विधि, इससे होने वाले लाभ और सावधानियों के बारे में जानिए।

शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाने में सहायक अर्धचंद्रासन

अर्धचंद्रासन या 'हाफ मून पोज' हठ योग का बहुत ही महत्वपूर्ण आसन है। इस योगासन में शरीर अर्धचंद्र के आकार में आ जाता है। यह वह अवस्था है, जो सप्तमी या अष्टमी के चांद की होती है। इस आसन को करने के दौरान पूरे शरीर को सिर्फ पैर और हाथों के बीच में बैलेंस किया जाता है। यह आसन शरीर को गजब की संतुलन शक्ति देता है। अर्धचंद्रासन को कई योग शैलियों में अलग-अलग ढंग से किया जाता है। लेकिन इसका सबसे मूल प्रकार हठ योग में ही दिखता है। यह शरीर में लचीलापन लाता है।

अर्धचंद्रासन के फायदे: यह शारीरिक और मानसिक संतुलन को सुधारता है, शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। शरीर के मुख्य हिस्सों जैसे पीठ, पैर और कूल्हों को लचीला बनाने के साथ ही उन्हें मजबूत भी बनाता है। इसी तरह पैर, टखनों और कंधों को भी मजबूती देता है। इस आसन का प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है और यह पूरे शरीर को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है। नियमित रूप से यह आसन करने से रीढ़ की हड्डी और पीठ दर्द से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है। यह पाचनतंत्र को सुधारता है, वजन घटाता है, सांस लेने की क्षमता को बेहतर बनाता है, टखनों, हैमस्ट्रिंग और पिंडलियों को ताकत देता है। हिप्स, चेस्ट और शोल्डर्स को खोलता है। छाती और शरीर को गठीला बनाता है। बॉडी को टोंड करता है। सिक्स पैक एब्स बनाने में मददगार है। पेल्विक मसल्स को मजबूत करता है, साथ ही यह पाचनग्रंथियों को भी स्टिमुलेट करता है।

करने की सही विधि: पहले अपने योगा मैट पर त्रिकोणासन में खड़े हो जाएं। दायां पैर आगे रखें। अब दाहिने घुटने को मोड़ें और अपने बाएं हाथ को कूल्हे पर लाएं। दाहिने हाथ को दाहिने पैर के सामने फर्श पर ले जाएं। इस दौरान हाथ आपके कंधे के नीचे होना चाहिए। यह प्रक्रिया करते हुए एक फुट सामने की ओर देखें। अब पांच या छह इंच अपने दाहिने पैर के दाईं ओर हों और हाथों को इतना झुकाएं कि बस अंगुलियां फर्श पर रहें और दाएं पैर को उठाते हुए दाहिने पैर को सीधा करना शुरु करें। जबकि बाएं पैर को जितना संभव हो सीधा रखें। कूल्हे को खोलें, दाएं कूल्हे के शीर्ष पर बाएं कूल्हे को लेकर आएं। पैर की अंगुलियों के साथ बाएं पैर को फ्लैक्स करें। जब दायां पैर संतुलित हो जाए तो बाएं पैर को ऊपर ले जाएं। दाएं और बाएं पैर को सीधा करते हुए फर्श पर सीधी रेखा बनाएं और कम से कम पांच सांसों तक खुद को संतुलित बनाए रखें, फिर सामान्य हो जाएं।

इन बातों का रखें ध्यान: अर्धचंद्रासन करते समय ध्यान रखें कि सही मुद्रा बनाए रखना जरूरी है। अगर गलत तरीके से इस आसन को करते हैं तो आसन भले हो जाए, संतुलन सधना नहीं शुरू होगा। इसे हमेशा खाली पेट करें या तब करें जब कम से कम चार-पांच घंटे पहले खाना खाया हो। शुरुआत में दीवार या किसी सहारे की सहायता से करें। लेकिन तब यह आसन कतई न करें, जब आपकी रीढ़ की हड्डी में दर्द हो, डायरिया या अस्थमा की समस्या हो। विशेषकर गर्दन में दर्द हो, कंधे में दर्द की समस्या होने पर हाथ ऊपर न उठाएं। घुटनों में दर्द या अर्थराइटिस होने पर दीवार के सहारे ही अभ्यास करें। दिल और हाई ब्लडप्रेशर के मरीज इसे न करें। *

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

वीर दास ने साधा मीडिया पर निशाना बोले- अच्छी कॉमेडी पर बहस करने से पहले अच्छी पत्रकारिता पर बहस करिए

स्टैंड-अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास ने बुधवार को कहा कि जहां इस बात पर बहस होनी चाहिए कि अच्छी कॉमेडी क्या है, वहीं इस बात पर भी चर्चा होनी चाहिए कि अच्छी पत्रकारिता क्या होती है। दरअसल, रणवीर इलाहाबादिया अपनी विवादित टिप्पणी के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। लगातार उन पर हो रही कवरेज को लेकर वीर दास ने पत्रकारिता करने के तरीके पर भी सवाल उठाए हैं।

वीर दास का पोस्ट

दरअसल, वीर दास ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पोस्ट में किसी व्यक्ति का नाम लिए बिना रणवीर इलाहाबादिया पर टेलीविजन मीडिया के अंतहीन कवरेज की आलोचना की। रणवीर इलाहाबादिया को यूट्यूब शो इंडिया गॉट लेटेंट में माता-पिता के यौन संबंधों पर अपनी टिप्पणियों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

रिश्तों को खास तरह से पेश करती है मुदस्सर अजीज की फिल्में: आदित्य सील

अभिनेता आदित्य सील जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। अभिनेता ने बताया कि अजीज अपनी फिल्मों में रिश्तों को खास तरह से पेश करते हैं, जो इस अपकमिंग फिल्म में भी देखने को मिलेगा।

आदित्य ने बताया कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक रहा। उन्होंने कहा, यह फिल्म हास्य, ड्रामा और भावनाओं से भरी हुई है। जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट सुनी, तो मुझे तुरंत लगा कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि इस फिल्म में मजेदार किरदार और कॉमेडी का बेहतरीन तालमेल है। आदित्य ने कहा, मुदस्सर अजीज के साथ काम करने का मेरा अनुभव शानदार रहा। उन्हें कॉमेडी की गहरी समझ है और वे रिश्तों को एक नए तरीके से पेश करते हैं। उनकी कहानियां कॉमेडी और सार्थकता का सही संतुलन बनाती हैं, जो मुझे बहुत पसंद आया। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी मेरे हसबैंड की बीवी का निर्माण जैकी भगनानी, वाशु भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने किया है, जिसमें हल्की-फुल्की कॉमेडी से भरपूर है। फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जो प्रेम में फंस जाता है। उसकी पूर्व पत्नी उस वक्त उसकी जिंदगी में लौट आती है, जब वह गर्लफ्रेंड के साथ लाइफ स्पेंड करने लगता है, जिससे कई मजेदार गलतफहमियां जन्म लेती हैं।

फिल्म निर्माताओं ने 6 फरवरी को फिल्म का एक नया गाना गोरी है कलाइयां रिलीज किया है, जिसे संगीतकार जोड़ी अक्षय और आईपी ने कंपोज किया है। निर्देशक मुदस्सर अजीज ने कहा कि इस गाने के जरिए दर्शकों को पुराने बॉलीवुड गानों की याद दिलाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से ऐसे गाने पसंद रहे हैं और इस फिल्म में मुझे इसे आजमाने का मौका मिला। रैपर बादशाह ने भी इस गाने को लेकर उत्साह जताया और कहा, गोरी है कलाइयां इस सीजन का सबसे बेहतरीन गाना है। फिल्म की पूरी टीम को इस फिल्म से काफी उम्मीदें है और दर्शक इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

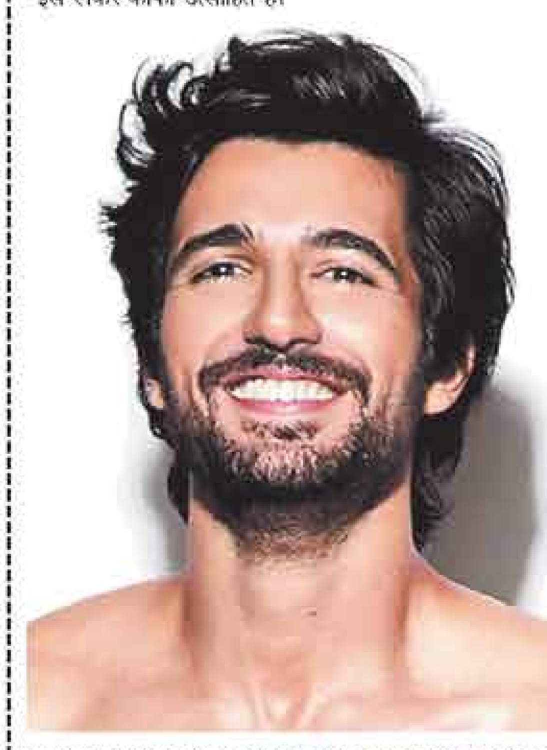

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है, तब्बू मैम का जलवा बस देखने वाला ही जानता है: कृति सेनन

निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' के पोस्टर में सुड्डा मारती नजर आई अभिनेत्री कृति सेनन का अभिनय फिल्म दर फिल्म निखरा है। वह मानती हैं कि उन्हें हिंदी सिनेमा की दमदार अभिनेत्रियों से काफी कुछ सीखने को मिला है। इस बार की चार बातें कृति सेनन से.. हाल ही में कृति सेनन ने साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं।

डिंपल मैम के रंग बिरंगे चश्मे

मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और

उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी।

करीना का करिश्मा

करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं।

मुंबई के पॉश इलाके में गौहर खान ने खरीदा घर

अभिनेत्री गौहर खान और उनके पति जैद दरबार ने मुंबई के सबसे आलीशान इलाकों में शामिल वर्सोवा में अपार्टमेंट खरीदे हैं। इस इलाके में जानी मानी हस्तियों के घर भी मौजूद हैं।

गौहर ने एक-दो नहीं, लिए तीन अपार्टमेंट

एक रिपोर्ट के द्वारा जानकारी मिली है कि अभिनेत्री गौहर खान और उनके पति जैद दरबारी ने तीन अपार्टमेंट घरीदे हैं। ये तीनों अपार्टमेंट दंपति ने मुंबई के वर्सोवा इलाके में लिया है, जो अंधेरी में स्थित है। इस इलाके में मशहूर हस्तियों के भी अपार्टमेंट हैं। इन तीन अपार्टमेंटों में से दो अपार्टमेंट संयुक्त रूप से दोनों के नाम है, वहीं तीसरा अपार्टमेंट गौहर के नाम रजिस्टर्ड है।

इनकी कीमत है करोड़ों में..

रिपोर्ट के मुताबिक गौहर खान के ये तीनों अपार्टमेंट बिल्डिंग के 14वीं और 15वीं मंजिल पर स्थित है। आपको बताते चलें कि संयुक्त रूप से खरीदे गए दोनों अपार्टमेंट की कीमत 7.33 करोड़ रूपये हैं, वहीं गौहर खान के नाम वाला अपार्टमेंट 2.80 करोड़ रुपये का है।

कब हुई थी इन दिनों की शादी

एक्ट्रेस गौहर खान ने साल 2020 में जैद दरबार से शादी की थी। इन दोनों ने लव मैरिज की थी। अक्सर गौहर खान सोशल मीडिया पर अपने पति के साथ फोटो शेयर करती रहती हैं।

गौहर खान का वर्कफ्रंट

अगर गौहर खान के काम की बात करें तो यह इस समय वेब शो 'लवली लोला' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें ईशा मालवीय भी दूसरी मुख्य भूमिका में हैं। गौहर खान इस समय फौजी 2 की भी शूटिंग कर रही हैं, जिसमें उनके साथ विक्की जैन भी हैं।

एड शिरीन के शिलांग कॉन्सर्ट में पत्नी संग पहुंचे जॉन अब्राहम, तस्वीर हो रही वायरल

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी पत्नी प्रिया रुंचल के साथ गायक एड शिरीन के कॉन्सर्ट में शिलांग पहुंचे। इस कॉन्सर्ट में ली गई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

गायक एड शिरीन ने शिलांग में 12 फरवरी को अपने इंडिया टूर के दौरान कॉन्सर्ट में परफॉर्म किया। यह कॉन्सर्ट पोलो के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया। जॉन अब्राहम और उनकी पत्नी प्रिया रुंचल भी इस कॉन्सर्ट में पहुंचीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह तस्वीर साझा की है। प्रिया रुंचल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एड शिरीन के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीर के साथ कुछ वीडियो भी साझा किए गए हैं। प्रिया रुंचल की पहली तस्वीर में एड शिरीन और जॉन इब्राहम नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ जॉन और उनकी पत्नी नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी के बच्चों के साथ भी तस्वीरें शेयर की हैं।

ऑस्कर 2025:

ऑस्कर में प्रेजेंटर बनेंगी स्कॉर्लेट जॉनसन, पेनेलोप क्रूज और हैली बेरी समेत कई बड़े नाम शामिल

मार्च 2025 में ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। इसकी नॉमिनेशन लिस्ट पहले ही सामने आ चुकी है। इस बार ऑस्कर स्टेज पर कई बड़ी हस्तियां प्रस्तुतकर्ता के तौर पर शामिल होंगी। हर साल की तरह इस साल भी ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में कई मशहूर हॉलीवुड सेलेब्स प्रेजेंटर (प्रस्तुतकर्ता) के तौर पर शामिल होंगे। इस फेहरिस्त में स्कॉर्लेट जॉनसन, पेनेलोपे क्रूज, हैली बेरी, एली फैनिंग, व्हूपी गोल्डबर्ग, जॉन लिथगो, एमी पोहलर, जून स्क्विब और बोउन यांग जैसे कलाकारों के नाम शामिल हैं। ये सभी कलाकार पिछले साल के ऑस्कर अवॉर्ड विजेता रहे किलियन मर्फी, रॉबर्ट डाउने जूनियर, एम्मा स्टोन और डेवाइन जॉय रैंडोल्फ का स्टेज पर साथ देंगे। इन चारों के नाम पहले ही ऑस्कर प्रेजेंटर के तौर पर अनाउंस हो चुके थे।

इस साल नामांकित हुए ये सितारे

इस साल ऑस्कर में टिमोथी चेलमेट को फिल्म ए कंप्लीज अननोन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में नॉमिनेट किया गया है। यहां उनका मुकाबला फिल्म ब्रूटलिस्ट फेम एड्रियन ब्रॉडी से होगा। एड्रियन इससे पहले साल 2003 में फिल्म द पियानिस्ट के लिए 29 साल की उम्र में ऑस्कर से नवाजा गया था। तब वो सबसे कम उम्र में बेस्ट एक्टर कैटेगरी में ऑस्कर जीतने वाले अभिनेता बने थे।

इसके अलावा इस साल ऑस्कर में बेस्ट एक्टर कैटेगरी में कोलमैन डोमिंगो (सिंग सिंग), राल्फ फ़िएन्नेस (कंक्लेव) और सेबेस्टियन स्टेन (द अप्रेंटिस) जैसे अभिनेताओं के नाम भी शामिल हैं।

बाबा निराला के आश्रम में होगा नया खेल

दुनिया का कोई कानून हम पर लागू नहीं होता

हिट वेब सीरीज आश्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज ने बॉबी देओल को नई पहचान दिलाई। उन्होंने तीन सीजन के जरिए फैंस का मनोरंजन किया, जिसके बाद फैंस इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे थे। हाल ही में निर्माताओं ने आश्रम 3 के दूसरे भाग का एलान किया था। वहीं, अब निर्माताओं ने इस सीजन के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का दमदार टीजर जारी कर दिया है।

सीरीज का दमदार टीजर

आश्रम 3 पार्ट 2 के टीजर में एक बार फिर बॉबी देओल का बाबा निराला वाला अंदाज देखने को मिल रहा है, जो बेहद चालाकी भरा है। हालांकि, टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि पार्ट 2 में पम्मी का अहम रोल देखने को मिलेगा। बाबा निराला की सत्ता में वापसी, निष्ठावान अनुयायियों का अटूट विश्वास और अंदरूनी साजिशों की गूंज एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 का टीजर हैरान कर देने वाला है। इस बार कहानी और भी ज्यादा सस्पेंस और रोमांच से भरी होगी।

पुराने अंदाज में लौटे बाबा निराला

टीजर में देखने को मिला कि पम्मी एक बार फिर दमदार अंदाज में लौट आई है। इसके साथ ही बाबा निराला की भी खोई हुई ताकत वापस आ गई है और वे पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो चुके हैं। साथ ही उनके अंधभक्त भी उनके एक इशारे पर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके करीबियों के बीच तनातनी भी साफ नजर आ रही है। पुराने राज अब बाहर आने वाले हैं और पुराने गद्दार फिर से बाहर आने की तैयारी में हैं।

सीरीज में ये कलाकार आएंगे नजर

बॉबी देओल के अलावा शो में अदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता अहम भूमिका में नजर आएंगे।

साभार एजेंसी

आज से होगी डब्ल्यूपीएल-2025 की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत कल यानी 14 फरवरी, गुरुवार से होगी. 2023 से शुरू हुए टूर्नामेंट का इस बार तीसरा सीजन खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच खेला जाएगा. इस बार टूर्नामेंट के सभी 22 मुकाबले चार शहरों में खेले जाएंगे. तो आइए जानते हैं कि आप पूरा टूर्नामेंट फ्री में कहां और कैसे देख सकते हैं.

कब से होगी टूर्नामेंट की शुरुआत?
महिला प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत कल यानी 14 फरवरी, गुरुवार से होगी. टूर्नामेंट के सभी मुकाबले शाम साढ़े सात बजे से खेले जाएंगे.

टीवी पर टूर्नामेंट कहां देखें लाइव?
भारत में टीवी पर डब्ल्यूपीएल 2025 के मुकाबले स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क के जरिए लाइव प्रसारित किए जाएंगे.

फ्री में कहां होगी लाइव स्ट्रीमिंग?
डब्ल्यूपीएल 2025 के मुकाबलों की फ्री लाइव स्ट्रीमिंग जियोसिनेमा के जरिए होगी. यहां फैंस मुकाबले एप और वेबसाइट पर देख सकेंगे.

किस फॉर्मेट में होगा टूर्नामेंट
पिछले दो सीजन की तरह इस बार भी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के लिए वैसा ही फॉर्मेट होगा. पांच टीमों वाले टूर्नामेंट के टेबल में ग्रुप स्टेज के आखिर में टॉप पर रहने वाली टीम सीधा फाइनल में जगह हासिल करेगी. बाकी दूसरे और तीसरे पायदान पर रहने वाली टीमें फाइनल के लिए एलिमिनेटर मुकाबला खेलेंगी. इस तरह टूर्नामेंट के लिए दो फाइनलिस्ट टीमें तय होंगी.

कोहली के एशिया में 16 हजार रन पूरे, इंग्लैंड के खिलाफ टॉप इंडियन स्कोरर बने

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 142 रन से हरा दिया। टीम ने अहमदाबाद का दूसरा हाईएस्ट टोटल 356 का स्कोर बनाया। शुभमन गिल ने 112 रन की पारी खेली। इंग्लैंड टीम 34.2 ओवर में 214 रन पर ऑलआउट हो गई।
बुधवार को रिकॉर्ड्स में विराट और गिल का नाम रहा। एशिया में विराट के 16 हजार रन पूरे हो गए। वे इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर भी बने। इसके अलावा, भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 3 अलग-अलग देशों के खिलाफ 4 हजार प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5393, श्रीलंका के खिलाफ 4076 और इंग्लैंड के खिलाफ 4036 रन बना लिए हैं।

भारत लगातार 10 वनडे में टॉस हार चुका है। टीम ने अपना आखिरी टॉस 2023 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में जीता था। भारत से पहले नीदरलैंड ने मार्च 2011 से अगस्त 2013 के बीच लगातार 11 टॉस हारे थे।

नेशनल गेम्सः

भाला फेंक में सचिन, ऊंची कूद में पूजा और 5000 मीटर में बेरवाल को स्वर्ण पदक

देहरादून, एजेंसी। यादव ने 2015 में बनाए राजिंदर सिंह के 82.23 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। यादव का 84.39 मीटर अब चोपड़ा (89.94 मीटर), जेना (87.54 मीटर), शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद किसी भारतीय के करियर का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो है।

उत्तर प्रदेश के भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव, हरियाणा की 18 साल की ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा सिंह और हिमाचल प्रदेश के लंबी दूरी के धावक सावन बेरवाल ने बुधवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतिम दिन राष्ट्रीय खेलों के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। नीरज चोपड़ा और किशोर जेना जैसे स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में 25 साल के यादव ने अपने पांचवें और अंतिम प्रयास में भाले को 84.39 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक जीता। यादव ने 2015 में बनाए राजिंदर सिंह के 82.23 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। यादव का 84.39 मीटर अब चोपड़ा (89.94 मीटर), जेना (87.54 मीटर), शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद किसी भारतीय के कॅरिअर का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। भाला फेंक का रजत और कांस्य भी उत्तर प्रदेश के नाम रहा। रोहित यादव ने 80.47 मीटर के साथ दूसरा जबकि विकास शर्मा ने 79.33 मीटर से तीसरा स्थान हासिल किया।

राजमिस्त्री की बेटी पूजा ने स्वर्ण पदक को बरकरार रखा

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के एक राजमिस्त्री की बेटी पूजा ने 1.84 मीटर के प्रयास से 2023 सत्र में जीते महिलाओं की ऊंची कूद के स्वर्ण पदक को बरकरार रखा। उन्होंने 2022 में बंगाल की स्वप्ना बर्मन के 1.83 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। पूजा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1.85 मीटर है जो राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड भी है। तमिलनाडु की गोबिका के (1.79 मीटर) ने रजत जबकि कर्नाटक की अभिन्या शेट्टी (1.77 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

5000 मीटर दौड़ में बेरवाल ने जीता स्वर्ण

बेरवाल ने 13 मिनट 45.93 सेकंड के साथ पुरुष 5000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने सेना के जी लक्ष्मणन के 2015 में बनाए 13 मिनट 50.05 सेकंड के राष्ट्रीय खेलों के पिछड़ने रिकॉर्ड को बेहतर किया। यह बेरवाल का मौजूदा खेलों में दूसरा स्वर्ण और दूसरा राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड है। उन्होंने शनिवार को पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा भी 28 मिनट 49.93 सेकंड के राष्ट्रीय खेलो के रिकॉर्ड समय के साथ जीती थी।

हरियाणा के गगन सिंह ने 14 मिनट 00.04 सेकंड के साथ रजत पदक जीता जबकि मध्य प्रदेश के सुनील डावर ने 14 मिनट 01.33 सेकंड के समय से कांस्य पदक हासिल किया।

महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में तमिलनाडु की विथ्या रामराज ने 58.11 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2022 और 2023 में भी स्वर्ण पदक जीते थे। इस स्पर्धा का 55.42 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड संयुक्त रूप से उनके और पीटी उषा के नाम है।

गौतम गंभीर ने ऋषभ पंत को किया बाहर, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लिया चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के साथ ही टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विकेटकीपर को लेकर बड़ा फैसला किया है. दरअसल, उन्होंने विकेटकीपर को लेकर जारी शंकाओं को दूर करने की कोशिश की है. गंभीर ने बताया कि केएल राहुल ही उनके फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर हैं. और, उस सूरत में फिलहाल पंत का खेलना थोड़ा मुश्किल लग रहा है. चैंपियंस ट्रॉफी से पहले गंभीर का ये बयान क्रिकेट फैंस को चौंकाने वाला है.

हालांकि, गंभीर ने पंत को मौका दिए जाने से इनकार नहीं किया है. लेकिन, फिलहाल के लिए उन्होंने केएल राहुल को ही अपनी टीम का विकेटकीपर बताया है. गंभीर ने कहा कि राहुल उनके फर्स्ट चॉइश विकेट हैं और रहेंगे. उन्होंने आगे ये भी कहा कि टीम इंडिया एक साथ दो विकेटकीपर के साथ नहीं खेल सकती. अब इसका तो यही मतलब निकलता है कि चैंपियंस ट्रॉफी की प्लेइंग इलेवन में फिर पंत के लिए जगह बनती नहीं दिखती.

अब सवाल है कि केएल राहुल पर गौतम गंभीर के इस भरोसे की वजह क्या है? इसकी एक वजह दुबई में उनका बेहतर रिकॉर्ड हो सकता है. दूसरे वो मिडिल ऑर्डर को थोड़ा लचीला बनाते दिखते हैं. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में ही इसकी मिसाल देखने को मिली, जहां वो टीम की जरूरत के मुताबिक कभी 5 नंबर तो कभी 6 नंबर पर बैटिंग करते दिखे.

दुबई में राहुल का प्रदर्शन

बात अगर दुबई में खेले वनडे में केएल राहुल के प्रदर्शन की करें तो उन्होंने वहां 50 ओवर फॉर्मेट का सिर्फ 1 मैच खेला है, जिसमें उनकी बल्लेबाजी का औसत 60 का रहा है. केएल राहुल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चुनी टीम इंडिया के उन इक्के-दुक्के खिलाड़ियों में हैं. जिनके पास दुबई में वनडे खेलने का अनुभव है.

ऋषभ पंत के साथ नहीं जाने की 'गंभीर' वजह!

अब सवाल है कि ऋषभ पंत भी तो मैच विनर हैं, फिर वो क्यों नहीं टीम इंडिया के फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर? तो इसकी एक बड़ी वजह ये हो सकती है कि उनके पास दुबई में वनडे खेलने का अनुभव नहीं है. इसके अलावा पंत लेफ्ट हैंडर हैं. और, अगर टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन देखें तो उसमें जडेजा, अक्षर जैसे कई लेफ्ट हैंडर मौजूद हैं, जो टीम की जरूरत के हिसाब से परफॉर्म भी कर रहे हैं.

आईपीएल-2025:

आईपीएल से पहले बड़ा ऐलान, कोहली नहीं पाटीदार होंगे आरसीबी के नए कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले नए कप्तान की घोषणा कर दी है। रजत पाटीदार को आगामी टी20 टूर्नामेंट के लिए टीम की कप्तानी सौंपी गई है। रजत पाटीदार के अलावा विराट कोहली और क्रुणाल पांड्या दो अन्य कप्तानी उम्मीदवार थे जिन्हें टीमों का नेतृत्व करने का अनुभव है। पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश का नेतृत्व किया है। वहीं, क्रुणाल बड़ौदा के कप्तान रहे हैं।

राजेश मेनन ने प्रश्न के साथ कहा, हमारा अगला कप्तान कौन होगा? यह आसीबी के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है। हमारे पास दिग्गज खिलाड़ी हैं। यह निर्णय बिल्कुल भी आसान नहीं है। इस पर आंतरिक और बाहरी रूप से विचार-विमर्श किया गया। हमें लगता है कि यह निर्णय फ्रैंचाइजी के लिए अगले कुछ वर्षों में अच्छा है। इसके बाद मेनन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में क्रिकेट निदेशक ने घोषणा करते हुए कहा कि रजत पाटीदार को आरसीबी का कप्तान बनाया गया है।

वह विकसित हुआ है, उसके खेल में कई स्तरों पर सुधार हुआ है। उसने राज्य की टीम का नेतृत्व किया है। उसने दिखाया है कि फ्रैंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं प्रशंसकों से उसका समर्थन करने का अनुरोध करता हूं, और जानता हूं कि वह टीम के लिए सबसे अच्छा काम करेगा। चाहे कुछ भी हो सबसे महत्वपूर्ण बात टीम और फ्रैंचाइजी है। टीम, फ्रैंचाइजी को मेरी शुभकामनाएं और सभी के साथ काम करने का इंतजार है।

विराट ने दी शुभकामनाएं

कोहली ने घोषणा करते हुए कहा, आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जिस तरह से आप आगे बढ़े हैं, आपने पूरे भारत में प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। यह बहुत ही योग्य है। मैं और टीम के अन्य सदस्य आपके पीछे खड़े होंगे। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह देखना कि कौन फ्रैंचाइजी को आगे ले जाएगा, आपके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मुझे यकीन है कि आप आगे बढ़ते रहेंगे।

रजत कप्तान क्यों?

एंडी फ्लावर ने कहा, तीन मुख्य बातें साझा करने लायक हैं। पहली बात आईपीएल में शांत और सादगी की जरूरत होती है। यह उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। दूसरी बात वह शांत हैं लेकिन अपने आस-पास के लोगों की परवाह करते हैं। इसका मतलब है कि उन्हें तुरंत ही दूसरे लोगों से सम्मान और देखभाल मिलेगी, एक नेता के तौर पर लोग उनके पीछे चलेंगे। तीसरी बात उनमें एक जिद्दीपन और दृढ़ता है। आप इसे उनके खेलने के तरीके और खेल को संभालने के तरीके में देख सकते हैं। मो बोबट ने कहा, नई टीम, नई कप्तानी, रजत के साथ जाना बहुत समझदारी भरा फैसला था। वह शांत, केंद्रित हैं और मुझे सबसे ज्यादा पसंद है कि वह दबाव में भी बहादुर हैं। उन्होंने हमारे लिए रन बरसाए हैं। वह टीम के लिए वाकई बहुत फायदेमंद साबित होंगे।

क्या कोहली भी कप्तानी की दौड़ में थे?

मो बोबट ने कहा, एंडी और मैं खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि हमारे पास कई विकल्प थे। हम भारतीय विकल्प के लिए उत्सुक थे क्योंकि स्थानीय जानकारी रखने वाला कोई व्यक्ति हमारे लिए मददगार होता है। बेशक विराट एक विकल्प था। विराट को कप्तानी करने के लिए कप्तानी की जरूरत नहीं है।

मोहम्मद रिजवान- सलमान आगा ने की रिकॉर्ड साझेदारी, टूट गया युवराज-धोनी का 8 साल पुराना ये बड़ा कीर्तिमान

पाक वर्सेस साउथ अफ्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए मुकाबले में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में पाकिस्तान को 6 विकेट से जीत मिली और ये टीम ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंच गई। पाकिस्तान ने इस मैच में रिकॉर्ड रन चेज किया और इस टीम को जीत दिलाने में कप्तान मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। सलमान आगा को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच में रिजवान ने 128 गेंदों पर 3 छक्के और 9 चौकों की मदद से नाबादग 122 रन की पारी खेली जबकि सलमान आगा ने 103 गेंदों पर 2 छक्के और 16 चौकों की मदद से 134 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में चौथे विकेट के लिए 260 रन की साझेदारी कर दी और इसके दम पर उन्होंने युवराज सिंह और एमएस धोनी के 8 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया जो दोनों

बल्लेबाजों ने साल 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 352 रन बनाए और इसके जवाब में पाकिस्तान ने 49 ओवर में 6 विकेट पर 355 रन बनाकर मैच को जीत लिया और फाइनल में पहुंच गई। इस मैच के दौरान रिजवान और सलमान आगा के बीच चौथे विकेट के लिए 260 रन की साझेदारी हुई और ये वनडे इतिहास में चौथे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी थी। 260 रन की साझेदारी करते हुए इन दोनों ने युवराज सिंह और एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने साल 2017 यानी 8 साल पहले चौथे विकेट के लिए वनडे में 256 रन की साझेदारी की थी।

वनडे में चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी

275* रन - अजय जडेजा/अजहरुद्दीन बनाम जिम्मबाब्वे (1998)

260 रन - मोहम्मद रिजवान/सलमान आगा बनाम साउथ अफ्रीका (2025)

256 रन - एमएस धोनी/युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड (2017)

252 रन - फाफ डुप्लेसिस/डेविड मिलर बनाम ऑस्ट्रेलिया (2018)

237 रन - रिकी पोंटिंग/एंड्रयू साइमंड्स बनाम श्रीलंका (2006)

हम चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने में सक्षम है: शांतो

दुबई, एजेंसी। बंगलादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा है कि उनकी टीम चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने में सक्षम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शांतों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों को चेतावनी के लहज में कहा है कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंट में खिताब जीतने की सोच के साथ मैंदान में उतरेंगी। शांतो का मानना है कि बंगलादेश की टीम का विश्वास बढ़ रहा है और उन्हें भरोसा है कि उनकी टीम 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में सबको चौंका सकती है। शांतो ने कहा, हम चैंपियंस ट्रॉफी में चैंपियन बनने जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट में सभी आठ टीमें चैंपियन बनने की हकदार हैं। वे सभी बेहतरीन टीमें हैं। मेरा मानना है कि हमारी टीम में भी यह क्षमता है। उन्होंने कहा, हर कोई वास्तव में (चैंपियन बनना) चाहता है और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता है। हमें नहीं पता कि ऊपर वाले ने हमारे भाग्य में क्या लिखा है।

टी20 के बाद वनडे सीरीज हारने पर पीटरसन ने इंग्लैंड को लताड़ा

अहमदाबाद, एजेंसी। पूर्व स्टार बल्लेबाज केविन पीटरसन ने भारत दौरे पर अभ्यास की कमी के लिए इंग्लैंड टीम पर निशाना साधते हुए कहा कि खिलाड़ियों को नेट गेंदबाजों का सामना करना चाहिए था और स्पिन खेलने की अपनी क्षमता पर काम करना चाहिए था। इंग्लैंड के लिए भारत का सीमित ओवरों का दौरा बेहद निराशाजनक रहा जिसमें टीम को टी20 श्रृंखला 1-4 से गंवाने के बाद एकदिवसीय श्रृंखला में 0-3 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने कोलकाता में पहले टी20 मैच के साथ दौरे की शुरुआत से पहले दो ट्रेनिंग सत्र आयोजित किए जबकि दूसरे और तीसरे टी20 मैच से पहले उन्होंने क्रमश: चेन्नई और राजकोट में एक-एक ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया।

मेहमान टीम ने हालांकि पुणे और मुंबई में क्रमशः चौथे और पांचवें टी20 मैच से पहले ट्रेनिंग नहीं की। टीम ने कटक और अहमदाबाद में दूसरे और तीसरे एकदिवसीय मैच से पहले भी ट्रेनिंग सत्र आयोजित नहीं किए। निराश पीटरसन ने 'एक्स पर लिखा, 'मुझे खेद है, लेकिन मैं इस बात से पूरी तरह हैरान हूं कि इंग्लैंड ने पहला एकदिवसीय मैच हारने और

टी20 श्रृंखला गंवाने के बाद से एक भी अभ्यास सत्र आयोजित नहीं किया। यह कैसे हो सकता है? कैसे? मेरा मानना है कि नागपुर के बाद इस श्रृंखला में जो रूट एकमात्र खिलाड़ी थे जिन्होंने नेट अभ्यास किया।

इंग्लैंड की स्पिन का सामना करने में असमर्थता पूरी श्रृंखला में बड़ा मुद्दा रही और इसने अगले हफ्ते पाकिस्तान और यूएई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम के लिए गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पीटरसन ने कहा, 'इस दुनिया में एक भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जो ईमानदारी से कह सके कि वे बिना अभ्यास के बेहतर हो सकते हैं जबकि वे हार रहे हैं। इंग्लैंड की टीम में एक भी खिलाड़ी ऐसा नहीं हो सकता जो भारत से रवाना होने वाले विमान में बैठकर खुद से कहे कि उन्होंने इंग्लैंड को जीतने में मदद करने के लिए हर संभव कोशिश की। उन्होंने कहा, 'और इसके कारण मैं आज शाम बहुत दुखी हूं।

हारना ठीक है अगर आप हर दिन बेहतर होने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं और अगर इंग्लैंड ने इस श्रृंखला के दौरान ट्रेनिंग नहीं की तो उन्होंने प्रयास नहीं किया। किसी भी इंग्लैंड प्रशंसक के लिए यह दुखद है। इंग्लैंड को बुधवार को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में 142 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान कमेंट्री करने वाले पीटरसन ने बताया कि चोटिल जैकब बेथेल की जगह लेने वाले टॉम बैनटन ने मैच से पहले का दिन ट्रेनिंग करने के बजाय गोल्फ कोर्स पर बिताया। उन्होंने कहा, 'जब मैं क्रिकेट खेलता था तो कभी गोल्फ नहीं खेलता था। मैं नेट पर हजारों गेंदों का सामना करता था, यहां उपमहाद्वीप में सुधार करने की कोशिश करता था। इंग्लैंड में ब्रेक लो।

इंडिया वर्सेस पाकिस्तानः

भारत-पाक मैच का टिकट लेकर बुरे फंसे फैंस, महामुकाबले से पहले आई बुरी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है. दोनों टीमें दुबई में भिड़ने वाली हैं. इस महामुकाबले के लिए बीते दिनों टिकट भी बेच दिए गए. अब बस फैंस को दोनों टीमों की टक्कर का इंतजार है. लेकिन इससे पहले फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल इस मैच के लिए फैंस को वीजा संबंधित मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. मैच के लिए फैंस एक्साइटेड हैं लेकिन वीजा मुद्दों ने बुरी खबर सुना दी है. आइए जानते हैं कि आखिर किस टीम के फैंस को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

भारत और पाकिस्तान का मैच चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को यूएई के दुबई में होने वाला है. भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के हजारों फैंस अपनी-अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए दुबई पहुंचेंगे. हालांकि पाकिस्तानी फैंस को यूएई से वीजा नहीं मिल रहा है. ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां भारत-पाक मैच का टिकट होने के बावजूद पाकिस्तानियों का वीजा खारिज किया जा रहा है.

खबर संक्षेप

पाकिस्तान में बम विस्फोट, 9 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक भीषण बम विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट बलूचिस्तान के हरनाई जिले के शाहराग इलाके में हुआ, जब कोयला खनिकों को ले जा रहा एक मिनी ट्रक सड़क किनारे बम की चपेट में आ गया।

रिसॉर्ट में लगी भीषण आग 6 की मौत, कई घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन रिसॉर्ट में आग लग गई, जिससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। बुसान की अग्निशमन एजेंसी के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह करीब 10:20 बजे मिली। इस घटना में लगभग 100 कर्मचारी साइट से बाहर निकलने में सफल रहे।

एन चंद्रशेखरन यूके नाइटहुड से सम्मानित

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन और भारत के व्यापारिक संबंधों में उनके योगदान और सेवाओं के लिए 'ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट ऑर्डर (सिविल डिवीजन)' से सम्मानित किया गया है। इसे नाइटहुड सम्मान के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटिश सरकार ने इसकी जानकारी दी।

पोप फ्रांसिस इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

रोम। पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को कुछ आवश्यक चिकित्सीय जांच और 'ब्रोंकाइटिस' के इलाज के लिए रोम के 'जेमेली पॉलीक्लिनिक' में भर्ती कराया जाएगा। वेटिकन ने एक संक्षिप्त बयान में यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह गुरुवार को 88 वर्षीय पोसपोप के 'ब्रोंकाइटिस' से पीड़ित होने का पता चला था।

दोनों नेताओं के बीच व्हाइट हाउस में हुई बैठक में देखने को मिली शानदार केमिस्ट्री

पीएम मोदी ने ट्रंप के भव्य स्वागत पर जताया आभार, ट्रंप बोले मोदी मुझसे बेहतर वार्ताकार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात में न केवल दोनों नेताओं के मध्य शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली। बल्कि मोदी-ट्रंप ने अपने-अपने अनोखे अंदाज में एक-दूसरे के व्यक्तित्व और कार्यशैली की भी भरपूर सराहना की। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका खासतौर पर उल्लेख करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए भव्य आतिथ्य सत्कार के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और राष्ट्रपति चुनाव में उनकी प्रचंड जीत के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़े।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी मेरी तुलना में कहीं मुश्किल और बेहतर वार्ताकार (टफ एंड बेटर नेगोशिएटर) हैं। उनसे मेरा कोई मुकाबला नहीं है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री को एक महान नेता बताते हुए कहा कि वह भारत में अच्छा काम कर रहे हैं और हमारे अच्छे दोस्त भी हैं। बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी के बैठने के लिए कुर्सी खींचते हुए भी नजर आए। जो दोनों के बीच की प्रगाढ़ मित्रता को दर्शाता है। दोनों नेताओं की बातचीत में अवैध प्रवासियों का मुद्दा उठा। जिसे लेकर पीएम मोदी ने कहा कि हम उन्हें वापस लेंगे। लेकिन इनकी वापसी कहानी का अंत नहीं है। यह एक पूरा इको सिस्टम है, जिसके खिलाफ कदम उठाना भारत-अमेरिका की जिम्मेदारी है।

दोनों देश एक बेहतर विश्व को आकार देंगे

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के संबंधों को अपने नेतृत्व से संजोया और जीवंत बनाया है। जिस उत्साह से उनके पहले कार्यकाल में हमने मिलकर काम किया। वहीं उमंग, ऊर्जा और प्रतिबद्धता मैंने आज भी महसूस की है। हमारी चर्चा में उनके पूर्व कार्यकाल में हमारी उपलब्धियों का संतोष व गहरे आपसी विश्वास का सेतु, नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के संकल्प भी थे। दोनों ये मानते हैं कि भारत-अमेरिका का साथ और सहयोग एक बेहतर विश्व को आकार दे सकता है।

परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ेगा

पीएम ने कहा कि व्यापार को दोगुने से अधिक बढ़ाने, तेल-गैस ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग प्रगाढ़ बनाने के अलावा हमने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर की दिशा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है। भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की अहम भूमिका है। सामरिक और भरोसेमंद भागीदारी के नाते हम सह विकास, उत्पादन व तकनीक हस्तांतरण की दिशा में सहयोग बढ़ाएंगे। भावी समय में नई तकनीक, उपकरण हमारी क्षमता बढ़ाएंगे। दोनों देशों ने ऑटोनॉमस सिस्टम इंडस्ट्री एलायंस लांच करने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग फ्रेमवर्क में रक्षा अंतर संचालनीयता, लॉजिस्टिक, मरम्मत और रखरखाव शामिल होंगे।

'मागा+मीगा यानी मेगा पार्टनरशिप'

उन्होंने कहा कि अमेरिका के लोग राष्ट्रपति ट्रंप के मोटो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) से परिचित हैं। उधर, भारत के लोग विरासत, विकास की पटरी पर विकसित भारत-2047 के दृढ़ संकल्प को लेकर तेज गति शक्ति से विकास की ओर अग्रसर हैं। अमेरिका की भाषा में विकसित भारत का अर्थ मेक इंडिया ग्रेट अगेन यानी मीगा है। जब अमेरिका और भारत साथ मिलकर काम करते हैं तब मागा प्लस मीगा मिलकर बन जाता है मेगा पार्टनरशिप फॉर प्रोसपेरिटी। यही मेगा स्प्रिट हमारे लक्ष्यों को नया स्केल और स्कोप देती है।

एआई, स्पेस में बढ़ेगी भागीदारी

21वीं सदी तकनीक आधारित शताब्दी है। लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले देशों के बीच तकनीक के क्षेत्र में करीबी सहयोग पूरी मानवता को नई दिशा, शक्ति और अवसर दे सकता है। दोनों देश एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, बायोटेक्नोलॉजी तथा अन्य तकनीकों के मामले में साथ काम करेंगे। हमने विश्वास (ट्रांसफॉर्मिंग रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी) पर सहमति बनाई है। इसमें जटिल खनिज, एडवांस मटेरियल और फॉर्मास्यूटिकल की मजबूत सप्लाई चेन बनाने पर जोर दिया जाएगा। लिथियम और रेयर अर्थ जैसे सामरिक मिनरल के लिए रिकवरी और प्रोसेसिंग कदम की घोषणा करने का निर्णय लिया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में अमेरिका भारत का करीबी सहयोगी रहा है। इसरो-नासा के सहयोग से बनी निसार सेटेलाइट जल्द ही भारतीय लांच व्हीकल पर अंतरिक्ष की उड़ान भरेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर बढ़ेगी साझेदारी

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों व व्यवस्थाओं को सशक्त बनाती है। हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता, समृद्धि बढ़ाने के लिए हम मिलकर काम करेंगे। इसमें क्वाड की अहम भूमिका होगी। इस साल भारत में होने जा रहे क्वाड शिखर सम्मेलन में हम सहयोगी देशों के साथ नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। आईमैक, आईटूयूटू के तहत दोनों आर्थिक गलियारे व कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करेंगे।

आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से होगी कार्रवाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दृढ़ता से साथ खड़े रहे हैं। सीमापार आतंकवाद के उन्मूलन पर दोनों देश ठोस कार्रवाई की आवश्यकता पर सहमत हैं। पीएम ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के मुख्य गुनहगार तहव्वुर राणा को अमेरिका द्वारा भारत को सौंपने के राष्ट्रपति ट्रंप के निर्णय को लेकर उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत की अदालतें उचित कार्रवाई करेंगी।

लोगों के बीच मजबूत होंगे संबंधों

उन्होंने अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय को दोनों देशों के बीच मौजूद संबंधों की अहम कड़ी बताते हुए कहा कि इन संबंधों को और गहरा बनाने के लिए भारत जल्द ही बोस्टन और लॉस एंजेलिस में नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा। हमने अमेरिकी विश्वविद्यालयों और शिक्षा संस्थानों को भारत में अपने ऑफशोर कैंपस खोलने के लिए आमंत्रित किया है। साथ ही पीएम ने 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से राष्ट्रपति ट्रंप को भारत यात्रा का न्योता दिया।

अमेरिका के ऐलान से नाटो की बढ़ी टेंशन

ट्रंप बोले- हमारी प्राथमिकता यूरोप की रक्षा करना नहीं, हमें अब अपनी चिंता

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

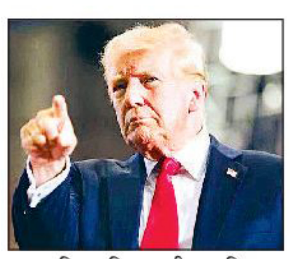

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद दुनिया के भी बहुत से समीकरण बदलते दिख रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के निर्णय पर अमेरिकी रक्षा मंत्री पेटे हेगसठ ने कहा है कि अमेरिका की प्राथमिकता यूरोप की रक्षा करना नहीं है।

ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने नाटो देशों की चिंता को बढ़ा दिया है। नाटो में यूरोप के ही ज्यादातर वे देश शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका का सहयोगी माना जाता है। ट्रंप के मंत्री ने बुधवार को यूक्रेन के 50 समर्थकों से मुलाकात के दौरान साफ किया कि हमारी प्राथमिकता में यूरोप की सुरक्षा करना नहीं है। इसके बजाय हमारी जरूरत यह है कि हम अमेरिका की सुरक्षा पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी ही सीमाओं पर खतरे का सामना कर रहा है। इसलिए हम अपनी सीमाओं की रक्षा करने पर फोकस कर रहे हैं।

रोहिंग्याओं की घुसपैठ से भारत चिंतित

बांग्लादेश ने 8 साल बाद हटा दिया बैन नफ नदी से अब मछली पकड़ सकेंगे

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने नफ नदी में मछली पकड़ने पर लगे बैन को हटा दिया है। इसे लेकर वहां के मछुआरों ने खुशी जाहिर की है।

यह बैन पूर्ववर्ती शेख हसीना सरकार ने लगाया है, जिसकी वजह ड्रग्स की तस्करी से लेकर रोहिंग्या घुसपैठ को रोकना था, लेकिन अब 8 वर्षों पर यूनुस सरकार ने यह बैन हटा लिया है। बांग्लादेश-म्यांमार सीमा के अंतर्गत आने वाली नफ नदीं पर मछली पकड़ने पर लगे बैन को हटाना अहम इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इससे बांग्लादेश के रास्ते भारत में रोहिंग्याओं की घुसपैठ एक बार फिर बढ़ सकती है। कॉक्स बाजार जिला प्रशासन ने उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद यूएनओ को एक पत्र जारी किया। मामले की पुष्टि करते हुए टेकनाफ यूएनओ शेख एहसान उद्दीन ने कहा कि नफ़ नदी में मछली पकड़ने की अनुमति अब सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक है।

भारत और थाईलैंड के संवाद कार्यक्रम में बोले पीएम

दोनों में शांति व सद्भाव का रिश्ता 2000 वर्षों से भी है ज्यादा पुराना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत और थाईलैंड के बीच प्राचीन और गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच यह रिश्ता 2000 वर्षों से भी अधिक पुराना है जो शांति और सद्भाव की एशियाई परंपराओं को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है।

पीएम मोदी ने थाईलैंड में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी टिप्पणी दी। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने थाईलैंड में संवाद के संस्करण में शामिल होने पर अपना सम्मान व्यक्त किया और इस आयोजन को संभव बनाने के लिए भारत, जापान और थाईलैंड के प्रतिष्ठित संस्थानों और व्यक्तियों की सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि थाईलैंड में 'संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने थाईलैंड की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और विरासत की सराहना करते हुए इसे एशिया की दार्शनिक और आध्यात्मिक परंपराओं का सुंदर उदाहरण बताया। बता दें, संवाद का यह चौथा संस्करण 14 से 17 फरवरी तक थाईलैंड में आयोजित किया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी और जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे द्वारा 2015 में शुरू की गई इस प्रमुख पहल का नेतृत्व भारत में विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआईएफ) कर रहा है, जिसमें जापान फाउंडेशन एक प्रमुख भागीदार है।

पीएम मोदी ने यह भी बताया कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक-दूसरे की पूरक हैं, जो दोनों देशों के आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देती हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किया बड़ा दावा

ड्रोन ने चेर्नोबिल रिएक्टर के सुरक्षा कवच को निशाना बनाया, विकिरण का स्तर सामान्य

एजेंसी ⏭ कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि रूसी ड्रोन ने चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र की सुरक्षा ढांचे को निशाना बनाया।

यह हमला कीव क्षेत्र में रात के वक्त किया गया। जेलेंस्की के मुताबिक, ड्रोन में बड़ी मात्रा में विस्फोटक था, जिससे संयंत्र की संरचना को नुकसान पहुंचा और हमले के बाद आग लग गई। हालांकि, आग बुझा दी गई है और विकिरण स्तर में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी ने भी इसकी पुष्टि की है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखे एक पोस्ट में लिखा- कल रात, एक रूसी हमलावर ड्रोन ने एक उच्च विस्फोटक वारहेड के साथ, चर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र की नष्ट हो चुकी 4वीं बिजली इकाई में विकिरण से दुनिया की रक्षा करने वाले सुरक्षा कवच पर हमला किया। यह सुरक्षा कवच यूक्रेन की तरफ से यूरोप और दुनिया के अन्य देशों के साथ मिलकर बनाया गया था, साथ ही अमेरिका के साथ वे सभी जो मानवता की वास्तविक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूस का यह हमला पूरी दुनिया के लिए एक आतंकवादी खतरा है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

जम्मू में सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों को पीपीई किट और आयुष्मान कार्ड वितरित किए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने केंद्र शासित प्रदेश में मंत्रालय की योजनाओं के क्रियान्वयन के सिलसिले में जम्मू का दौरा किया।

उन्होंने नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) की प्रमुख योजना के तहत सीवर और सेप्टिक टैंक वर्कर्स (एसएसडब्ल्यू) को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। सरकार ने सफाई कर्मचारियों को सम्मान प्रदान करने तथा उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से नमस्ते योजना तैयार की है। इस योजना का उद्देश्य देश के शहरी क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है।

विभिन्न सुरक्षात्मक उपकरण दिए

पीपीई किट में विभिन्न सुरक्षात्मक वस्त्र और सहायक उपकरण शामिल होते हैं जो व्यक्तियों को संभावित स्वास्थ्य खतरों या संक्रमणों से बचाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन किटों में आम तौर पर मास्क, दस्ताने, चश्मे, फेस शील्ड, गाउन और शू कवर जैसी चीजें शामिल होती हैं। वे अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, खासकर वे सफाई कर्मचारी जो खतरनाक वातावरण या संक्रामक रोगों के संपर्क में आते हैं, जैसे सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारी।

ओडीआई का दौरा किया

डॉ. कुमार ने नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत जम्मू में गैर सरकारी संगठन 'जेके सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस' द्वारा संचालित आउटरीच एंड ड्रॉप इन सेंटर का भी दौरा किया। आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जारी किया जाने वाला पहचान पत्र है, जो देश में सरकार द्वारा प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजना है।

भारत-अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई मुलाकात पर हरिभूमि से बातचीत में विशेषज्ञों ने दी यह प्रतिक्रिया

मोदी-ट्रंप मुलाकात से चीन, पाकिस्तान-बांग्लादेश को सख्त संदेश, भारत की खिलाफत नहीं चलेगी

कविता जोशी ⏭ नई दिल्ली

अलग खबर

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा खतरों के बीच अमेरिका के व्हाइट हाउस में हुई भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के नवनियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की द्विपक्षीय मुलाकात से भारत को अपनी सीमाओं के ईद गिर्द 360 डिग्री के हिसाब से रक्षा-सुरक्षा के मद्देनजर कितना फायदा होगा? क्या इससे चीन और उसके साथ खड़े पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी दो टूक संदेश गया है और अब सभी अपनी हद में रहेंगे? सामरिक समझौतों से भारत की रक्षात्मक तैयारी कितनी सुदृढ़ होगी? क्या अब हिंद-प्रशांत महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक तेवर ढीले पड़ेंगे? यह वो तमाम जरूरी सवाल हैं जिनका विशेषज्ञों ने हरिभूमि से बातचीत में विस्तार से जवाब दिया।

अमेरिका ने बजा दी चीन के लिए खतरे की घंटी: कुलकर्णी

सेना के वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल संजय कुलकर्णी ने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग कई गुना मजबूत होगा। जिससे भारत को अमेरिका से जरूरी जटिल तकनीक के हस्तांतरण से उसके क्षमता विकास के साथ ही आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति का सिर्फ ये कहना कि चीन के साथ एलएसी विवाद के बीच अगर आप (भारत) चाहें तो मैं आपकी मदद कर सकता हूं। इतना ही काफी है। भले ही हम इस मामले पर अमेरिका का सहयोग न लें। लेकिन ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के तुरंत बाद बोले गए इन शब्दों मात्र से ही दुश्मन (चीन) की घंटी बजना शुरू हो जाती है। क्योंकि उसको लगता है कि ये यानी अमेरिका इसके यानी भारत के साथ खड़ा हो गया है। तो अब मैं क्या करूंगा?

दो बड़े लोकतंत्र लाएंगे दुनिया में शांति

लेफ्टिनेंट जनरल कुलकर्णी ने कहा कि चीन को हालांकि ये पहले से पता था कि ट्रंप के आते ही भारत-अमेरिका के रिश्ते अच्छे होंगे। इसलिए उसने भारत से बातचीत शुरू की, एलएसी के तनाव वाले इलाकों से सेनाएं पीछे हटाईं। अब जब अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान आ गया है तो ये न सिर्फ चीन बल्कि उसके पिछलग्गू पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को भी दो टूक अंदाज में स्पष्ट संदेश चला गया है कि अगर उन्होंने भारत के खिलाफ क्षेत्र में कोई गुस्ताखी करने की कोशिश की तो भारत अकेला नहीं है। उसके पीछे दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति खड़ी है। अमेरिका की ये सक्रियता पूरे विश्व में शांति लाने की कवायद का हिस्सा भी है। जिसमें उसे तेजी से बढ़ते भारत का भी साथ मिलेगा।

चीन को काबू में रखने में अमेरिका की अहम भूमिका: मानकीकार

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) में फेलो कल्पित. ए. मानकीकार ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर 2024 से चीन हमारे साथ अपने रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन उसकी कथनी और करनी में बहुत अंतर है। एक तरफ उसने एलएसी से सेनाओं की वापसी पर सहमति जताई तो दूसरी ओर सरहदी इलाके में आज भी बड़ी तादाद में उसका ठोस इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े सैन्य हथियारों की तैनाती बनी हुई है। जो कि भारत को साफ इशारा कर रहा है कि खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। उधर, चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर बांध बनाने की तैयारी में है। इसकी जानकारी हमें चीनी मीडिया के जरिए मिली है। ये पूरा घटनाक्रम बताता है कि चीन आज भी भारत के साथ अपना सीमा विवाद सुर्खियों में रखना चाहता है। इन सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत को मिला खुला समर्थन काफी मायने रखता है। जिससे चीन को भारत के खिलाफ कुछ भी करने से पहले अंदर ही अंदर धुक-धुक तो जरूर होगी।

दक्षिण चीन सागर में तय होगी चीनी हद

विदेश मामलों के पत्रकार रंजीत कुमार ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ लेने के बाद बेहद कम समय में उनका प्रधानमंत्री मोदी से मिलना और चीन को लेकर टिप्पणी करना यह दिखाता है कि दोनों देश ड्रैगन की दादागिरी समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर समान नजरिए के साथ काम करेंगे। साझा बयान में किया गया हिंद-प्रशांत का जिक्र ये दिखाता है कि भारत, अमेरिका क्षेत्र में शांति, स्थिरता बनाए रखने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। ट्रंप के बयान से न केवल हिंद प्रशांत बल्कि दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता पर भी नकेल कसेगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,